राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 22 जून 2023 वर्ष–6,अंक–148 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मणिपुर में इंटरनेट पर बैन 25 जून तक बढ़ा, स्कूल भी 1 जुलाई तक बंद

इंफाल। मणिपुर में 3 मई से शुरू हुआ हिंसा का दौर मंगलवार को भी शांत नहीं हुआ। हालात को देखते हुए 4 मई से बंद स्कूलों की छुट्टियां एक बार फिर बढ़ा दी गई हैं। पहले स्कूल 21 जून को खोलने की तैयारी थी, लेकिन स्थिति काबू में नहीं आने पर स्कूलों की छुट्टियां 1 जुलाई तक बढ़ा दी गई है। उधर, राज्य में इंटरनेट बैन को 25 जून तक बढ़ा दिया गया है। हालांकि मणिपुर HC ने राज्य सरकार को सीमित नेट सेवा प्रदान करने का निर्देश दिया है। जस्टिस अहंथेम बिमोल सिंह और ए गुनेश्वर शर्मा ने कहा कि इंटरनेट कुछ लोगों के लिए काम करने के लिए जरूरी है, खासकर स्टूडेंट्स के एडमिशन के संबंध में। वहीं, सेना ने प्रतिबंधित संगठन यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट के चार सदस्यों को भी गिरफ्तार किया है। उनके पास से 51 मिलीमीटर की मोर्टार और बम बरामद किया गया है। सेना ने ट्वीट कर जानकारी दी कि 19 जून की शाम को लिलोंग इलाके में चलाए गए चेकिंग अभियान में इन्हें पकड़ा गया है।

इम्फाल वैली में 100 एटीएम लेकिन पैसे सिर्फ 5-10 में–इंटरनेट सेवा बंद होने से लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। एटीएम से रुपए निकालना भी मुश्किल हो गया है। इम्फाल वैली के वांगखाई के रहने वाले प्रीतम सिंह रुपए निकालने के लिए सुबह से तीन-चार एटीएम की खाक छान ली, लेकिन रुपए नहीं निकाल पाए। इसके बाद वे दूसरे इलाके सिंगजेमे बाजार पहुंचे। प्रीतम सिंह का कहना है, 'यहां करीब 100 एटीएम है जिनमें से केवल 5 से 10 एटीएम में ही रुपए हैं। इंटरनेट बंद होने से ऑनलाइन पैमेंट बंद है, केवल नकदी में ही खरीदारी करनी पड़ रही है। इसलिए रोजाना एटीएम जाना पड़ता है। कई बार लाइन में नंबर आते-आते एटीएम में रुपए खत्म हो जाते हैं। मणिपुर के लोग मोबाइल रिचार्ज के लिए दूसरे राज्यों में रहने वाले रिश्तेदारों पर निर्भर हैं।

एक वैश्विक आंदोलन बन गया है योग: पीएम नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के माध्यम से योग एक वैश्विक आंदोलन बन गया है।

अमेरिका की यात्रा पर गए श्री मोदी ने बुधवार को नौवें अंतर्राष्ट्रीय योग पर अपने एक वीडियो संदेश में देशवासियों को 'अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस' की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस बार विभिन्न दायित्वों की वजह से वह अमेरिका में हैं। उन्होंने कहा कि वह भारतीय समयानुसार आज शाम शेड पांच बजे बजे संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित योग दिवस समारोह में शामिल होंगे।

श्री मोदी ने कहा कि भारत के आह्वान पर दुनिया के 180 से ज्यादा देशों का एक साथ आना, ऐतिहासिक और अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा ,÷ आप सबको याद होगा, 2014 में जब यूएन जनरल एसम्ब्ली में योग दिवस का प्रस्ताव आया, तो रिकॉर्ड

देशों ने इसे समर्थन दिया था। तब से लेकर आज तक, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के जरिए योग एक वैश्विक आंदोलन बन गया है, ग्लोबल स्पिरिट बन गया है।

श्री मोदी ने कहा कि इस साल योग दिवस के कार्यक्रमों को 'ओसियन रिंग ऑफ योग' ने और विशेष बना दिया है। यह योग के विचार और समुद्र के विस्तार के पारस्परिक संबंध पर आधारित है। सेना के जवानों ने भी हमारे जलस्रोतों के साथ एक योग भारतमाला और योग सागरमाला% बनाई है। इसी तरह, आर्कटिक से लेकर अंटार्कटिका तक भारत के दो रिसर्च बेस यानि पृथ्वी के दो ध्रुव भी योग से जुड़ रहे हैं। योग के इस अनूठे समारोह में देश-दुनिया के करोड़ों लोगों का इतने सहज स्वरूप में शामिल होना, योग के प्रसार और प्रसिद्धि को उसके महात्म्य को उजागर करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि योग के लिए कहा गया है- योगः कर्मसु कौशलम। यानी, कर्म में कुशलता ही योग है। आज़ादी के अमृतकाल में ये मंत्र हम सभी के लिए बहुत अहम है।जब हम अपने कर्तव्यों के लिए समर्पित हो जाते हैं, तो हम योग की सिद्धि तक पहुँच जाते हैं। योग के जरिए हम निष्काम कर्म को जानते हैं, हम कर्म से कर्मयोग तक की यात्रा तय करते हैं। मुझे विश्वास है, योग से हम अपने स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाएँगे, और इन संकल्पों को भी आत्मसात करेंगे। हमारा शारीरिक सामर्थ्य, हमारा मानसिक विस्तार, हमारी चेतना शक्ति, हमारी सामूहिक ऊर्जा विकसित भारत का आधार बनेंगे।

शाह आज बालाघाट में, रानी दुर्गावती गौरव यात्रा का करेंगे आरंभ

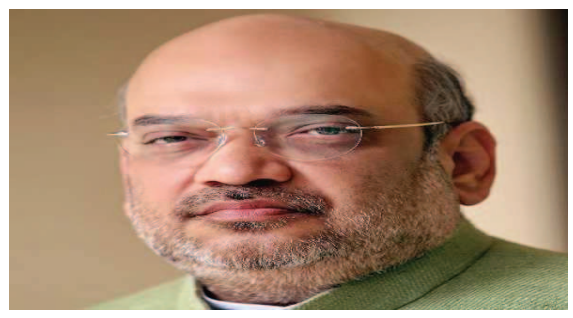

भोपाल। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह आज मध्यप्रदेश के बालाघाट के एकदिवसीय प्रवास पर रहेंगे।

इस दौरान वे केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित एक जन सभा को संबोधित करेंगे। उनका यहां एक रोड शो भी होगा। दोनों कार्यक्रमों के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं।

श्री शाह भारतीय जनता पार्टी की ओर से आयोजित वीरांगना रानी दुर्गावती गौरव यात्रा का यहां से आरंभ करेंगे।

गृह मंत्री के बालाघाट दौरे से पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं उनके इस दौरे की तैयारियों पर नजर रखे हुए हैं। उन्होंने इसके लिए समीक्षा बैठक भी की। इस दौरान उन्होंने कहा कि श्री शाह का 22 जून को बालाघाट आगमन हो रहा है, जो बालाघाट के लिए सौभाग्य की बात है। उनका आना अपने आप में महत्वपूर्ण है।

योग शून्य बजट वाला स्वास्थ्य बीमा, भारत के प्रयासों से बना वैश्विक पर्व : उपराष्ट्रपति

जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने आज कहा कि योग शून्य बजट वाला स्वास्थ्य बीमा है और भारत के प्रयासों से ये एक वैश्विक पर्व बन गया है, जो हर देश में मनाया जा रहा है। धनखड़ मध्यप्रदेश के जबलपुर के गैरिसन ग्राउंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान भी उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अंतराष्ट्रीय योग दिवस विश्व-बंधुत्व के संदेश का दिवस है। इस वर्ष की थीम वसुधैव कुटुम्बकम के लिए योग हमारी साझी आकांक्षाओं और संस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। यह इस साल भारत की मेज़बानी में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन की विषयवस्तु के भी पूर्णतः अनुकूल है।

उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा इतने अधिक वोटों से और कम से कम समय में योग को अंतर्राष्ट्रीय रूप में स्वीकृति देना भारतीय नेतृत्व की दूरदृष्टि की स्वीकृति है। भारत के प्रयासों से योग अब एक वैश्विक पर्व बन गया है। आज देश

के हर कोने में और दुनिया के हर देश में यह पर्व मनाया जा रहा है।

श्री धनखड़ ने कहा कि योग किसी व्यक्ति मात्र के लिए नहीं, संपूर्ण मानवता के लिए है। योग ने आर्थिक स्वरूप भी ले लिया है, जो अर्थव्यवस्था को सकारात्मक रूप से प्रभावित करता है। हमारे प्रशिक्षित योग टीचर दुनिया में कार्यरत है और योग से जुड़े शिक्षकों की मांग बढ़ रही है। योग मन, शरीर और आत्मा को शुद्ध बनाता है। ये शून्य बजट वाला स्वास्थ्य बीमा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हींग लगे ना फिटकरी और रंग भी चोखो आए , ये ही योग का मंत्र है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी के वीडियो संदेश को भी चलाया गया।

आरोपी को सबक सिखाने के लिए कैद की अवधि नहीं बढ़ा सकते-हाईकोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने अपहरण के मामले में एक व्यक्ति को जमानत देते हुए कहा कि आरोपी को सबक सिखाने के लिए सुनवाई के दौरान कारावास की अवधि नहीं बढ़ाई जा सकती। जस्टिस विकास महाजन ने कहा कि लगभग दो साल और नौ महीने तक हिरासत में रहे अभियुक्तों से कोई बरामदगी करने की आवश्यकता नहीं है और मामले की सुनवाई समाप्त होने में लंबा समय लगेगा। इस महीने की शुरुआत में दिए अपने फैसले में कोर्ट ने कहा, मुकदमें के दौरान, अभियुक्त को केवल सबक सिखाने के उद्देश्य से कारावास नहीं बढ़ाया जा सकता है। अभियोजन और बचाव पक्ष के बीच सुनवाई अभी बाकी है। अदालत ने कहा, इस स्तर पर, मामले के गुण-दोष में गए बिना, यह अदालत की राय है। याचिकाकर्ता को सितंबर 2020 में 24 वर्षीय कथित पीड़ित महिला के परिवार द्वारा गुमशुदगी की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया था। पीड़ित महिला के पिता ने आरोप लगाया कि अपहरणकर्ताओं ने फिरौती के रूप में 40 लाख रुपये की मांग की और मांग पूरी नहीं किए जाने पर बेटी को जान से मारने की धमकी दी। अदालत ने कहा कि अपराध की

गंभीरता जमानत से इनकार करने का एकमात्र मानदंड नहीं है और केवल इसलिए कि अपराध गंभीर प्रकृति का था, यह अनिश्चित काल के लिए विचाराधीन कैदी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता को कम करने का आधार नहीं हो सकता।

अदालत ने कहा कि एक व्यक्ति जिसे दोषी नहीं ठहराया गया है, उसे केवल तभी हिरासत में रखा जाना चाहिए जब उसके फरार होने या सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने या गवाहों को धमकाने की संभावना हो। अदालत ने पाया किया कि चार्जशीट पहले ही दायर की जा चुकी है और पीड़िता का एक्जामिनेशन इन चीफ दर्ज कर लिया गया है। एक्जामिनेशन-इन-चीफ एक अदालती प्रक्रिया है जिसमें वकील अपने कानूनी तर्कों को साबित करने के लिए अपना पहला सवाल अपने स्वयं के गवाह से करते हैं।

अदालत ने कहा, अभियोजन पक्ष ने 23 गवाहों का हवाला दिया है और मुकदमे को पूरा करने में काफी समय लगेगा। अभियोजन पक्ष का यह भी मामला नहीं है कि याचिकाकर्ता एक आदतन अपराधी या कठोर अपराधी है, जो जमानत पर रिहा होने की स्थिति में, न्याय से भाग सकता है या फिर से ऐसी गतिविधियों में शामिल हो सकता है। अदालत ने आदेश दिया, ऐसे में, याचिका की अनुमति दी जाती है और याचिकाकर्ता को 20,000 रुपये के व्यक्तिगत मुचलके और इतनी ही राशि के एक जमानत बांड के साथ जमानत दी जाती है।

मध्यप्रदेश के विद्यालयों में योग की शिक्षा होगी अनिवार्य : शिवराज

जबलपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि प्रदेश में विद्यालयों में योग की शिक्षा अनिवार्य की जाएगी। चौहान यहां उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के मुख्य आतिथ्य में आयोजित योग दिवस के राष्ट्रीय स्तर के आयोजन को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल भी उपस्थित थे। समारोह में श्री चौहान ने कहा कि आज जबलपुर, मध्यप्रदेश और पूरा देश योगमय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संपूर्ण विश्व योगमय है। भारत आज

संपूर्ण विश्व में छाया हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत के ऋषियों ने कहा, केवल हमारा नहीं, विश्व का कल्याण हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे बड़ा सुख निरोगी काया है। प्रदेश में सरकार ने विद्यालयों में योग शिक्षा अनिवार्य करने का फैसला किया है। योग कोई संकीर्ण चीज नहीं है। इसका किसी पंथ से कोई संबंध नहीं है। ये विश्व कल्याण के लिए है। सभी को रोज योग करना चाहिए। स्वस्थ रहना देश की सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी और वे स्वयं भी रोज योग करते हैं।

24 जनवरी से भक्तों के लिए खुलेगा राम मंदिर, नृपेंद्र मिश्र बोले- 10 दिन चलेगा रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम

अयोध्या। अयोध्या में श्रीरामजन्मभूमि परिसर में निर्माणाधीन राम मंदिर जनवरी, 2024 में खुल जाएगा। 24 जनवरी से भव्य गर्भगृह में भक्तों को रामलला के दर्शन मिलने लगेंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव मकर संक्रांति से शुरू होगा। भव्य गर्भगृह में रामलला को विराजित करने पीएम नरेंद्र मोदी अयोध्या आएंगे।

यह बात राममंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने एक न्यूज चैनल को दिए गए इंटरव्यू में कही। उन्होंने कहा कि दिसंबर, 2023 तक राममंदिर भक्तों के दर्शन लायक बन जाएगा। तीन मंजिला राम मंदिर के भूतल का काम पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ ट्रस्ट के पदाधिकारियों के मुताबिक रामलला की प्राण प्रतिष्ठा मकर संक्रांति के बाद होनी चाहिए। ऐसे में 14-15 जनवरी, 2024 से 24 जनवरी के बीच रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का 10 दिवसीय अनुष्ठान पूरा कर लिया जाएगा। गौरतलब है कि रामलला की

प्राण प्रतिष्ठा के लिए ट्रस्ट ने देश के टॉप के ज्योतिषियों से शुभ मुहूर्त निकलवाए हैं। ज्योतिषियों ने शुभ मुहूर्त में 21, 22, 24 और 25 जनवरी की तारीख बताई है। ट्रस्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो सकती है, क्योंकि यह सबसे उत्तम तारीख बताई जा रही है।

गर्भ गृह के मुख्य द्वार पर होगी सोने की परत–नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि गर्भ गृह के मुख्य द्वार पर सोने का कवर होगा। मंदिर का 161 फीट ऊंचा शिखर भी सोने से मढ़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मन में था कि अयोध्या तभी जाएंगे, जब मंदिर की आधारशिला रखी जाएगी। तभी वे 5 अगस्त, 2021 को यहां आए थे।

मैसूर से आए पत्थरों से बनाई जा रही प्रतिमा–करीब 20 दिन पहले चंपत राय ने बताया था कि ग्राउंड फ्लोर तैयार होने के बाद मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। दिसंबर तक मंदिर को फाइनल टच दिया जाएगा। रामलला की प्रतिमा 51 इंच होगी। कर्नाटक के मैसूर से आए दो पत्थरों से प्रतिमा बनाई जा रही है। रामलला की एक अन्य मूर्ति राजस्थान के मकराना मार्बल से बनाई जा रही है। मूर्तिकार अरुण योगीराज अपनी पसंद का पत्थर कर्नाटक से लेकर आए हैं। राम मंदिर में दो पत्थरों को आपस में जोड़ने के लिए तांबे की पत्ती का इस्तेमाल किया जा रहा है। मंदिर में फसाद लाइट भी लगाई जाएंगी। उन्होंने बताया था कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर के लिए रामलला की 3 मूर्तियों का निर्माण शुरू हो गया है। सिर पर मुकुट, हाथ में धनुष-बाण लिए रामलला की मूर्तियां बनाई जा रही हैं। इनके लिए कर्नाटक की 2 श्याम शिला और राजस्थान के श्वेत संगमरमर का इस्तेमाल हो रहा है। हालांकि अभी ये निश्चित नहीं है कि इनमें से कौन-सी मूर्ति गर्भगृह के लिए चुनी जाएगी।

असम में बाढ़ की चपेट में हैं 35 हजार लोग, पर सैलाब अभी बाकी है; फिर होगी बारिश

गुवाहाटी। देश में एक तरफ कई राज्य भीषण गर्मी के बीच मानसून का इंतजार कर रहे हैं तो दूसरी तरफ असम भारी बारिश की वजह से बेहाल है। असम के कुल 31 में से 19 जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। वहीं कम से कम 34 हजार लोग इस आपदा की चपेट में आ गए हैं जिन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ा और अपना घर बार भी छोड़ना पड़ा। केवल लखीमपुर जिले में 22 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। दूसरे नंबर पर डिब्रूगढ़ है। असम आपदा प्रबंधन विभाग के मुताबिक बाकसा, बारपेटा, बिस्वनाथ, चिरांग, दरांग, देमाजी, धुबरी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, होजाई, कोकराझार, लखीमपुर, नागांव, नालबाड़ी, सोनितपुर, तामूलपुर, उदालगुरी जिले बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा कामरूप में भी बाढ़ का प्रकोप देखने को मिल रहा है।

पानी में डूबे कई गांव

आंकड़ों के मुताबिक असम के कम से कम 523 गांव बाढ़ के पानी में डूबे हुए हैं। वहीं 5842 हेक्टेयर की फसल जलभराव की वजह से बर्बाद हो गई है। राज्य में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं और अपने दायरे को तोड़कर रिहाइशी इलाकों तक प्रवेश

कर गई हैं। हालांकि गनीमत यह है कि बाढ़ की वजह से अब तक कोई मौत रिपोर्ट नहीं हुई है। वहीं बाढ़ की वजह से कटाव हुआ है और इन्फ्रास्ट्रक्चर को बड़ा नुकसान पहुंच रहा है।

ब्रह्मपुत्र नदी में चलने वाली फेरी सर्विस को रोक दिया गया है। मौसम विभाग ने की जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। एएसडीएमए ने कहा है कि भारी बारिश की वजह से ब्रह्मपुत्र और इसकी सहायक नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ सकता है।

मौसम विभाग ने किया अलर्ट

एएसडीएमए ने यह भी कहा है कि भूटान में होने वाली भारी बारिश की वजह से भी ब्रह्मपुत्र नदी का जलस्तर बढ़ गया है। नदी किनारे रहने वाले लोगों को चेतावनी दी गई है कि वे आपातकालीन किट के साथ तैयार रहें और नदी में ना उतरें। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिनों में असम के कई जिलों में भारी से भारी वर्षा हो सकती है। दीमा हसाओ, करीमगंज और कामरूप में कई जगहों पर भूस्खलन की भी घटनाएं हुई हैं। हालांकि अभी तक यातायात बाधित नहीं हुआ। असम के बड़े शहर गुवाहाटी और सिलचर इन दिनों जलभराव का सामना कर रहे हैं।

संपादकीय

बीजिंग की बौखलाहट

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका की पहली राजकीय यात्रा कितनी अहम है, इसका अंदाज इसी बात से लग जाता है कि चीन के पूर्व विदेश मंत्री वांग यी ने सरकारी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स में बाकायदा आलेख लिखकर आरोप लगाया है कि चीन की आर्थिक प्रगति को बाधित करने के लिए अमेरिका भारत का इस्तेमाल कर रहा है। साथ ही, उन्होंने यह दंभ भी जताया कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में चीन की जगह लेना भारत के लिए संभव नहीं है। जाहिर है, इस ओढ़े हुए आत्मविश्वास से जो बौखलाहट भभककर बाहर आ रही है, वही यह बताने के लिए काफी है कि अमेरिका और भारत की बढ़ती नजदीकियों ने बीजिंग को किस कदर बेचैन किया है। अव्वल तो अपनी विस्तारवादी नीतियों से तमाम पड़ोसी मुल्कों के लिए चीन मुसीबतें खड़ी करता रहा है और भारत तो उसकी हठधर्मिता को दशकों से भुगत रहा है। गलवान का गतिरोध इसका सबसे ताजा उदाहरण है। बेहतर होता कि बीजिंग के नीति-नियंता अपनी गलतियों को दुरुस्त करने पर ज्यादा ध्यान देते। वांग यी शायद कूटनीति का ककहरा भूल रहे हैं, उन्हें याद करने की जरूरत है कि द्विपक्षीय रिश्तों की बुनियाद दोनों पक्षों के हित-साधन पर पड़ती है। नई दिल्ली ने आजादी के बाद से ही अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से कोई समझौता नहीं किया। रूस-यूक्रेन युद्ध इसका ज्वलंत उदाहरण है। भारत ने अमेरिका से अपने संबंधों को अवश्य प्रगाढ़ किया है, पर साथ ही रूस से अपनी मित्रता का मान रखा है! विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कल भी साफ कहा कि रूस के साथ भारत का संबंध साठ वर्षों के इतिहास का प्रतिफल है और ऐसा नहीं कि साठ साल के बाद हमने अपने विचार बदल लिए हैं। अमेरिका इस हकीकत को समझता है और वह भारत के साथ रिश्तों को विस्तार दे रहा है, तो स्वाभाविक ही इसके मूल में दक्षिण एशिया में एक विशाल बाजार, मजबूत लोकतंत्र और तेजी से आगे बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था है। खासकर बीते दो दशकों में दोनों देशों में नजदीकियां बढ़ी हैं और परमाणु समझौते ने इसे एक दीर्घकालिक दिशा दी। आज दोनों देशों का कारोबारी रिश्ता रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है, बल्कि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा कारोबारी सहयोगी बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी के इस राजकीय दौरे से देश को काफी उम्मीदें हैं। रक्षा क्षेत्र के समझौतों व प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण के अलावा अमेरिकी उद्योगपतियों से उनकी मुलाकात पर सबकी नजर है। भारत में अमेरिकी निवेशकों की दिलचस्पी यदि पूंजी बाजार से आगे प्रत्यक्ष संस्थागत निवेश में बढ़ती है, तो इससे देश में रोजगार सृजन को गति मिल सकेगी। इस समय भारत की जरूरत अपनी विशाल युवा आबादी के लिए ज्यादा से ज्यादा अवसरों का सृजन है। प्रधानमंत्री ने वॉल स्ट्रीट जर्नल को साक्षात्कार देते हुए उचित ही कहा है कि भारत एक बड़ी भूमिका का हकदार है और वह किसी अन्य देश का स्थान नहीं ले रहा है, बल्कि अपनी सही जगह की ओर अग्रसर है। भारत हमेशा से विश्व-शांति का कामी रहा है और वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ जंग हो या पर्यावरण संरक्षण, उसकी प्रतिबद्धता असंदिग्ध है। वक्त आ गया है कि बदलते वक्त के हिसाब से तमाम वैश्विक संगठनों में तार्किक सुधार किए जाएं। अमेरिका यदि वाकई हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बीजिंग को बेलगाम होने से रोकना चाहता है, तो उसे भारत की आर्थिक उन्नति में उदार सहयोग करना ही होगा!

आज का राशिफल

मेष आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। अपनों से पीड़ा मिल सकती है। नेत्र विकार की संभावना है। खानपान में संयम रखें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। अपनो से संबंधों में कटुता आयेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। संतान से पीड़ा मिल सकती है। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार का भरपूर सहयोग रहेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

तुला आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। नेत्र विकार की संभावना है।

वृश्चिक रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आय के नवीन स्रोत बनेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। संतान के कारण चिंतित हो सकते हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नौकरी पेशा व्यक्तियों के पद में उन्नति होने के योग हैं। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा।

मोदी -बाईडेन का ऐतिहासिक मिलन एवं योग का अद्भुत संयोग

प्रधानमंत्री जी की अमेरिकी यात्रा के दौरान विश्व की दो महत्वपूर्ण शक्तियों का मिलन, दोनों देशों के अतिरिक्त अनेक समस्याओं से ग्रस्त विश्व के लिए भी उम्मीद की किरण जैसा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कालखण्ड में पूरे विश्व को भारत से अनेक आशाएं हैं। भारत इन सभी समस्याओं के समाधान करने हेतु सक्षम और समर्थ भी है। इस योग दिवस के सुअवसर पर यह कामना करते हैं कि विभिन्न आपदाओं से घिरे हुए विश्व की विभिन्न समस्याओं का समाधान इस योग दिवस के दुर्लभ संयोग में प्राप्त हो और योग के माध्यम से हम सभी आरोग्य एवं सम्पन्नता को प्राप्त करें।

(लेखक- श्री विष्णु दत्त शर्मा/

यूं तो अनादिकाल से ही योग भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। किसी भी धार्मिक अथवा आध्यात्मिक साधना की सिद्धि से पूर्व योगाभ्यास द्वारा शरीर को साधने का कार्य योग द्वारा किया जाता है। महर्षि पतंजलि सहित अनेक योगशास्त्रियों ने योग के सरलीकरण का महनीय कार्य किया,ताकि आम जन मानस के लिए योग सुलभ हो सके। वर्तमान कालखण्ड में भारत के गौरव की यश-पताका को निरन्तर विश्व में लहराने वाले यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी जी ने इस भारतीय ज्ञान-मनीषा को समूची दुनिया में लोकप्रिय एवं नवीन पहचान दिलाने का कार्य किया है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज पूरा विश्व योग के साथ ही भारत के वैभव और निरन्तर प्रगति की मुक्त कंठ से प्रशंसा कर रहा है। कोरोना रूपी विभीषिका में प्रधानमंत्री जी एवं भारत की निर्णायक भूमिका ने तो पूरे विश्व को सम्मोहित कर दिया। निराशा और अवसाद से भरे विश्व के लिए योग एवं आयुर्वेद रामबाण औषधि बनकर उभरे। यह सिद्ध हो गया कि अथाह ज्ञान एवं विज्ञान के गूढ़तम रहस्यों से भरा हिन्दू धर्म दर्शन दुनिया की सबसे सम्पन्न एवं समृद्ध परम्परा का वाहक है। यही कारण है कि लगभग 5000 वर्ष पुराने योग की प्रासंगिकता मोदी जी के सदप्रयासों के परिणामस्वरुप रोजमर्रा के करणीय कार्यों की भांति ही बढ़ गई है। सोचिए दूरद्रष्टा प्रधानमंत्री जी के अभिनव प्रयासों के द्वारा योग एवं आयुर्वेद के साथ-साथ भारतीय प्रचीन विज्ञान के नवीनीकरण की असंख्य संभावनाएं जागी हैं। कितने रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। भारत का प्रभाव कितना बढ़ा है। ये सभी तथ्य प्रासंगिक एवं चर्चा का केन्द्र हो सकते हैं।

पतंजलि दर्शन के अनुसार, योगः चित्त वृत्ति निरोधः अर्थात- चित्त की वृत्तियों का निग्रह ही योग कहलाता है। प्रायः विद्वान इसके अर्थ एवं भूमिका को जाकी रही भावना जैसी के अनुरूप देखते रहे हैं। अगर योग के शाब्दिक अर्थ कि बात करें तो योग संस्कृत भाषा के युज धातु से बना है जिसका अर्थ है जोड़ना। इसके आध्यात्मिक दर्शन के पक्ष पर जाने से पता चलता है कि आत्मा को परमात्मा से जोड़ने का माध्यम ही योग है।

प्रायः वैदिक परम्परा के अनेक विद्वान हमारे द्वारा किए जा रहे योग की क्रियाओं को सम्पूर्ण योग न मानते हुए इसे अंश मात्र मानते हैं। अनुलोम-विलोम एवं किये जाने वाले कुछ शारीरिक अभ्यास से परे भी योग का एक व्यापक क्षेत्र है। उनके अनुसार योग के माध्यम से तमाम शारीरिक एवं आध्यामिक क्रियाओं द्वारा मन और मस्तिष्क को नियंत्रित करके व्यक्ति ईश्वरीय तत्व को प्राप्त कर सकता है। साथ ही ऐसा करने वाले के लिए कुछ भी असाध्य नहीं बचता। वह जितेन्द्रिय एवं समाधि की उच्च अवस्था को भी प्राप्त कर लेता है।

कला और विज्ञान के अद्वितीय समावेश, योग की लोकप्रियता का यह उत्कर्ष कालखण्ड है। यही कारण है कि 27 सितम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव रखा गया। 21 जून उत्तरी गोलार्ध में वर्ष का सबसे लम्बा दिन बताया जाता है जिसका दुनिया के विभिन्न हिस्सों में विशेष महत्व है। इसीलिए दूरदर्शी प्रधानमंत्री जी ने योग दिवस के लिए 21 जून की तिथि का चयन किया। केवल 75 दिनों के छोटे से कालखण्ड में ही 11 दिसम्बर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ ने प्रस्ताव 69/131 के माध्यम से 21 जून को अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की।

इस पूरे घटनाचक्र के बीच 193 सदस्य देशों में से 177 देशों ने ना केवल इस प्रस्ताव का समर्थन किया, अपितु इसे सह-प्रायोजित भी किया। 2015 से शुरू हुआ योग दिवस रूपी उत्सव अपने 9 वें सोपान तक पहुंचते-पहुंचते भव्य महोत्सव के रुप में आकार ले चुका है। जहॉं 180 से अधिक देश मोदी जी की अगुवाई में एक साथ योग करेंगे।

समूचे देश के लिए गौरव की अनुभूति इसलिए भी विशेष है क्योंकि भारतीय वैदिक परम्परा के अद्वितीय सामर्थ्य, योग को प्रधानमंत्री जी के भगीरथ प्रयासों द्वारा भारत ही नहीं विश्व के अनेक देशों में घर-घर तक पहुंचाया जा चुका है। ये कहना भी अनुचित नहीं होगा कि योग नियमित दिनचर्या का एक अनिवार्य हिस्सा बन चुका है।

आज भारत समूचे विश्व में एक महान लोकतंत्र एवं आधुनिक शक्ति के रूप में तेजी से उभर कर सामने आया है, जो न्याय, विश्वशान्ति, सद्भाव, परस्पर सहयोग, पर्यावरण सन्तुलन एवं समग्र विकास हेतु अपने उत्तरदायित्वों के प्रति पूर्ण निष्ठा के साथ सतत रूप से कार्य कर रहा है। लोकप्रिय प्रधानमंत्री मोदी जी की नीतियों एवं राजनैतिक सूझ-बूझ का ही नतीजा है कि स्वयं को सुपर पॉवर मानने वाला अमेरिका आज भारतीय प्रधानमंत्री के स्वागत में पलक-पांवड़े बिछाकर स्वागत करने हेतु लालायित है। वैश्विक स्तर पर तेजी से बदले समीकरणों के कारण स्वयं अमेरिका अपने हितों की रक्षा हेतु भारत के सन्मुख आशान्वित नज़रों से देख रहा है।

भारत-अमेरिका सहयोग की दिशा में इस यात्रा का महत्व वर्तमान समय में अत्यन्त महत्वपूर्ण है। जिसका अंदाजा इस बात से ही लगाया जा सकता है कि 1997 के बाद किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री का अमेरिका का यह पहला आधिकारिक द्विपक्षीय दौरा होगा। देश को इस यात्रा से अनेकों उम्मीदें हैं।

इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन एवं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ ही अन्य महत्वपूर्ण नेताओं एवं विभिन्न औद्योगिक कम्पनियों के सीईओ से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे। इस वैचारिक मेल-मिलाप के माध्यम से विभिन्न व्यापारिक सौदों एवं सामरिक हित के आवश्यक विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाना है। यह हम सभी देशवासियों के लिए ऐतिहासिक क्षण है। क्योंकि पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री दूसरी बार अमेरिकी संसद को संबोधित करेगा।

प्रधानमंत्री जी की अमेरिकी यात्रा के दौरान विश्व की दो महत्वपूर्ण शक्तियों का मिलन, दोनों देशों के अतिरिक्त अनेक समस्याओं से ग्रस्त विश्व के लिए भी उम्मीद की किरण जैसा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कालखण्ड में पूरे विश्व को भारत से अनेक आशाएं हैं। भारत इन सभी समस्याओं के समाधान करने हेतु सक्षम और समर्थ भी है। इस योग दिवस के सुअवसर पर यह कामना करते हैं कि विभिन्न आपदाओं से घिरे हुए विश्व की विभिन्न समस्याओं का समाधान इस योग दिवस के दुर्लभ संयोग में प्राप्त हो और योग के माध्यम से हम सभी आरोग्य एवं सम्पन्नता को प्राप्त करें।

वर्तमान समय अनेक चुनौतियों से निपटने का है। ऐसे अवसर पर हम सभी राष्ट्र निर्माण के पुनीत कार्य में सतत संलग्न मॉं भारती के सच्चे उपासक मोदी जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें, ताकि विश्वगुरु भारत का यश व सम्मान सदैव अक्षुण्ण बना रहे।

गीता प्रेस पर राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण

गीता प्रेस की स्थापना अप्रैल 1923 में हुई। 15 भाषाओं में अब तक 73 करोड़ से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। 15 करोड़ से अधिक गीता और साढ़े ग्यारह करोड़ से अधिक रामचरितमानस का प्रकाशन इसमें शामिल है। हर्ष का विषय यह है कि प्रेस की ओर से जल्दी ही 100 करोड़ का कीर्तिमान बनाने का लक्ष्य है। स्थापना के समय वर्ष 1923 में पहली हाथ मुद्रण मशीन 600 रुपए में खरीदी गई। वर्ष 1926 से मासिक कल्याण का प्रकाशन शुरू हुआ।

(लेखक - श्रीराम माहेश्वरी)

पुरस्कार का विरोध करोड़ों हिंदुओं का अपमान

संदर्भः गांधी शांति पुरस्कार 2021 गीता प्रेस गोरखपुर को देने का निर्णय

विश्व भर में आध्यात्मिक चेतना जगाने के लिए अग्रणी तथा सनातन संदेशों की प्रचारक प्रकाशक संस्था है गीताप्रेस। गोरखपुर का यह प्रकाशन अपने स्वर्णिम इतिहास के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। बीते 100 वर्षों में अनगिनत आर्थिक कठिनाइयों का सामना करने के बावजूद गीता प्रेस द्वारा लागत से कम मूल्य पर गीता रामायण तथा अनेक ग्रंथों पुस्तकों को करोड़ों की संख्या में प्रकाशित कर घर-घर पहुंचाने का श्रम साध्य कार्य किया है। भारतीय संस्कृति की रक्षा का संकल्प लेकर सनमार्ग पर चलते हुए जो संस्था जनमानस के कल्याण की भावना से निर्विवाद रूप से अपनी यात्रा के 100 वर्ष पूर्ण कर रही हो, उस पर राजनीति करना या उस पर लांछन लगाना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह एक प्रकार से विरोधियों की कुमति की परिणति ही कही जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए गांधी शांति पुरस्कार 2021 गीता प्रेस गोरखपुर को देने का निर्णय लिया गया। इसकी घोषणा केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय द्वारा की गई है । घोषणा के बाद कांग्रेस के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश का ट्वीट आता है। जिसमें वे इस निर्णय का विरोध करते है। वे गीता प्रेस की तुलना गोडसे और वीर सावरकर से करते हुए इस निर्णय का उपहास करते हैं। इससे उनकी ओछी मानसिकता और सतही समझ प्रमाणित होती है। कुछ नेताओं ने शायद सस्ती लोकप्रियता के लिए हर अच्छे कार्यों का विरोध करना अपनी आदत में शुमार कर लिया लगता है। इससे भी बड़े आश्चर्य की बात यह है कि जयराम रमेश के ट्वीट का कांग्रेस पार्टी ने ना खंडन किया है और ना समर्थन। यानी कि वह असमंजस में है। यदि वह समर्थन करती है तो करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं की नाराजगी उसे झेलना पड़ सकती है और यदि खंडन करती है तो तुष्टीकरण की भावना को ठेस पहुंचाती है। ऐसे में वह दो नावो पर सवार होकर नहीं चल सकती है। उसे निर्णय करना होगा कि वह जनमानस की भावनाओं के साथ है या विरोधी मानसिकता की पैरोकार।

कांग्रेस पार्टी को यह स्मरण होना चाहिए कि गीता प्रेस के उत्कृष्ट योगदान के लिए वर्ष 1992 में पूज्य श्री हनुमान प्रसाद पोद्दार पर डाक टिकट जारी किया गया था। तब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी। वर्ष 1936 में गोरखपुर में बाढ़ आई थी, तब नेहरू जी को वाहन की आवश्यकता थी। उस समय नेहरू जी को वाहन उपलब्ध न कराने का अंग्रेजों ने ऐलान किया था। इसकी परवाह ना करते हुए श्री पोद्दार जी ने मानवता को सर्वोपरि मानते हुए नेहरू जी को वाहन उपलब्ध कराया था। दूसरी बात, जब गीताप्रेस की कल्याण मासिक पत्रिका शुरू हुई तब पहले तीन पेज महात्मा गांधी जी ने लिखे थे। इसकी पहली प्रति जब पोद्दार जी ने गांधी जी को सौंपी तब उन्होंने पत्रिका को व्यक्ति पूजा और विज्ञापन से दूर उसे रखने की हिदायत दी थी। इन दो बातों का अभी तक पालन हो रहा है।

महात्मा गांधी जी और कांग्रेस पार्टी से जुड़ी इन घटनाओं से स्पष्ट है कि पूर्व काल में कांग्रेस पार्टी गीता प्रेस के विरोध में नहीं रही है। फिर अभी विरोध का क्या कारण है। क्या पीएम मोदी का विरोध करना कुछ नेताओं की आदत बनती जा रही है या सस्ती लोकप्रियता के लिए यह सब किया जा रहा है। सच जो भी हो परंतु यह तय है कि देश के करोड़ों लोग विरोधी मानसिकता से जुड़े तथाकथित नेताओं के बयानों की सच्चाई जानने लगे हैं। देश का जनमानस देख रहा है कि क्या उनके बयान राजनीति से प्रेरित हैं।

यह जरूरी है कि स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष का होना आवश्यक है सरकार के कार्यों में यदि खामियां हैं, दोष हैं तो उन्हें बेशक जनता के सामने लाइए । कोई नेता अगर सनमार्ग से भटक गया है और गलत कर रहा है तो आप विरोध कीजिए। यह आपका अधिकार है लेकिन सरकार के हर अच्छे कार्यों और उपलब्धियों का विरोध करना अनुचित है ।सरासर ग़लत है।

यह सत्य है कि हिंदी के विकास में और साहित्यिक और सांस्कृतिक जन जागरण के क्षेत्र में गीता प्रेस का अद्वितीय योगदान है। प्रेस की गीता और रामायण भारत सहित कई देशों के करोड़ों घरों में है। यह साहित्य मात्र पुस्तकें नहीं है। साधकों और भक्तों के लिए यह ग्रंथ देवतुल्य है। पढ़ने से पहले और बाद में वे इसे श्रद्धापूर्वक मस्तक पर लगाते हैं। इनसे करोड़ों हिंदुओं की आस्था जुड़ी है।

(लेखक वरिष्ठ साहित्यकार एवं मानव जीवन और ध्यान पुस्तक के लेखक हैं।)

भोजन की तरह योग को जीवन में अनिवार्य बनाएं

(लेखक - सनत जैन)

21 जून अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाया जाता है। पिछले 5 से 6 दशकों में जीवन शैली में भारी बदलाव आया है। उसके कारण भोजन की तरह योग भी अब हमारे जीवन में बहुत ही जरूरी है। बिना योग के हम शरीर और मन को स्वस्थ नहीं रख पाएंगे। शारीरिक और मानसिक विकास के लिए योग आज अनिवार्य हो गया है। निरोगी शरीर से ही सभी सुखों का आनन्द है। यदि शरीर स्वस्थ नहीं है, तो आप किसी भी सुख का आनंद नहीं ले सकते हैं। पिछले 5 दशक में दिनचर्या एवं खानपान में लगातार बदलाव आया है। उसके कारण शा री रिक एवं मानसिक दृष्टि से हम बीमार हो गए हैं। इस बीमारी से निकलने के लिए यदि दिनचर्या में योग को शामिल कर लेते हैं। तो बीमारियों से मुक्ति पाएंगे ही, इसके साथ ही सारे भौ तिक सुखों का उपभोग पूरे आनंद के साथ कर पाएंगे। योग का पौराणिक ग्रंथों में

विस्तार से वर्णन किया गया है। साधू-सन्यासियों के बीच योग प्रचलित था। गृहस्थ जीवन में हम यह मानकर चलते थे कि योग साधू-सन्यासियों के लिए है। बाबा रामदेव ने योग को बीमारियों से जोड़कर योग के लाभ आम आदमी तक भेजने के लिए जो काम किया है, उसके लिये उनकी जितनी सराहना की जाए कम है। बाबा ने योग के लिए शैक्षिक संस्थान भी खोला, योग प्रशिक्षक भी बड़ी संख्या में तैयार कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि योज भारत के घर-घर में पहुंच गया है। वहीं योग को लेकर विश्व मानव जीवन में योग को लेकर आश्वस्त हुआ है। बिना जाति, बिना धर्म और बिना किसी भेदभाव के योग सम्पूर्ण मानव समाज के लिये उपयोगी है। योग की क्रियाएं हमें शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाती है। करनी ही होंगी। एलोपैथी चिकित्सा ने हमें शारीरिक एवं मानसिक चेतना से दूर करने का काम किया है। एलोपैथी चिकित्सा पद्धति एक नशे की तरह है, जो किसी भी तरह की तकलीफ मैं तुरंत राहत पहुंचाने का काम करती है। लेकिन यह धीरे-धीरे मरीज को नशीला बना देती है। एलोपैथि चिकित्सा में कभी भी स्थाई इलाज नहीं होता है। जब तक आप दवाई लेते और उसकी मात्रा बढ़ाते जा रहे हैं, तब तक ही दवा आपको आराम दे पाती है। जैसे ही आप दवा का सेवन बंद करते हैं। आप की बीमारी विकराल रूप में सामने आ जाती है। अतिशयोक्ति नहीं होगी, कि एलोपैथिक दवा एक नशे की तरह है। जिस तरह नशा करने वाले व्यक्ति को नशे की आदत हो जाती है। उसे नशा नहीं मिलता है, तो वह शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान हो जाता है। बाबा रामदेव और एलोपैथिक चिकित्सा का उल्लेख करने का मात्र एक कारण है, कि हम दोनों से परिचित हैं। भारत में आयुर्वेदिक चिकित्सा का बड़ा महत्व रहा है। आयुर्वेदिक चिकित्सा मैं बात पित्त और कफ के असंतुलन को बीमारी से जोड़कर तथा मनुष्य के खाने-पीने और परिस्थिति जन्य स्थिति को देखकर चिकित्सा की जाती है। आयुर्वेदिक चिकित्सा में बीमारी का स्थाई समाधान है। आयुर्वेदिक चिकित्सा में शारीरिक एवं मानसिक श्रम का भी विशेष महत्व होता है। रोग से घिरे हुए मनुष्य को स्थाई इलाज संभव हो पाता है। बात योग दिवस की हो रही है। मनुष्य जब प्रक्रति जन्य होकर अपना जीवन जीते हैं। तो उन्हें पूरे जीवन काल में किसी चिकित्सा की जरूरत नहीं होती है। खान-पान और शारीरिक क्रियाओं से शरीर के रोगों से निजात पा लेता है। दिगंबर जैन आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज वर्तमान में सबसे बड़े उदाहरण के रूप में हमारे सामने हैं। वह 24 घंटे में एक बार आहार और जल ग्रहण करते हैं। रोजाना 25 से 30 किलोमीटर वह पद बिहार करते हैं। कई घंटे तक खड़े होकर और बैठकर ध्यान करते हैं। दिगंबर अवस्था में 76 वर्ष से अ धिक उम्र में भी ठंड, गर्मी और बरसात का असर उनके ऊपर नहीं पड़ता है। कभी-कभार यदि बुखार, सर्दी या अन्य किसी बीमारी के लक्षण होते हैं, तो वह पूर्णतः शाकाहारी आयुर्वेदिक दवा 24 घंटे में एक बार कुछ समय तक वैद्य के परामर्श से ग्रहण करते हैं। निरोगी काया के रूप में प्रकृति जन्य होकर अपनी क्रियाओं में सदैव लिप्त रहते हैं। वर्तमान जीवन शैली में हम शारीरिक और मानसिक रूप से वह शारी रिक एंव मान सिक श्रम नहीं करते हैं। जो नियमित दिनचर्या के होने चाहिए। ऐसे समय में सभी लोगों के लिए योग हमारे जीवन के लिए बहुत जरूरी हो गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आइडियाफोर्ज टेक ला रही आईपीओ

मुंबई । ड्रोन बनाने वाली कंपनी आइडियाफोर्ज टेक अब शेयर बाजार में लिस्ट होने की तैयारी कर रही है। आइडियाफोर्ज टेक वहीं कंपनी ने हैं जिसका ड्रोन आमिर खान की मूवी'3 इंडियट्स' में इस्तेमाल किया गया था। कंपनी अब अपना आईपीओ बाजार में लाने को तैयार है। यह इश्यू सब्सक्रिप्शन के लिए 26 जून को खुलेगा। इस इश्यू के तहत नए शेयर भी जारी होने और ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए प्रमोटर्स और निवेशक भी शेयरों की बिक्री करने वाले हैं। आइडियाफोर्ज टेक में 33.97 फीसदी हिस्सेदारी प्रमोटर्स की है। आइडियाफोर्ज टेक आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 26 जून से 29 जून तक खुला रहेगा। इस इश्यू के तहत 240 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करने की है। इसके अलावा ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 48,69,712 इक्विटी शेयर जारी करने की है। आइडियाफोर्ज अनमैन्ड एयरक्राफ्ट सिस्टम्स (यूएसए) बनाती है। इसका इस्तेमाल मैपिंग, सिक्योरिटी और सर्विलांस में होता है। इसके दो मुख्य सॉफ्टवेयर हैं, ब्लूफायर लाइव और ब्लूफायर टच। ब्लूफायर लाइव है जो वीडियो को सुरक्षित तरीके से लाइव स्ट्रीम करने में मदद करता है। दूसरा सॉफ्टवेयर ब्लूफायर टच ग्राउंड कंट्रोल सॉफ्टवेयर है। यह देश की सबसे बड़ी ड्रोन कंपनी है और वित्त वर्ष 2022 में इसके पास 50 फीसदी मार्केट शेयर था।

(नई दिल्ली) पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कई जगह आया बदलाव

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में बुधवार को कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट से घरेलू बाजार में भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव आया है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.28 डॉलर गिरकर 70.50 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, ब्रेंट क्रूड 0.21 डॉलर फिसलकर 75.69 डॉलर प्रति बैरल पर कामकाज कर रहा था। इससे महाराष्ट्र में पेट्रोल की कीमत 55 पैसे कम होकर 106.62 रुपये प्रति लीटर पहुंच गई है जबकि वहीं, डीजल 53 पैसे नीचे आकर 93.13 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। छत्तीसगढ़ में पेट्रोल 50 और डीजल 49 पैसे गिरा है। इसी प्रकार बिहार में पेट्रोल के दाम में 36 पैसे और डीजल में 33 पैसे की कमी आई है। उत्तर प्रदेश में भी पेट्रोल-डीजल के दाम कम हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल की कीमतें गिरी हैं और से 88 पैसे कम होकर 95.07 रुपये और डीजल 78 पैसे गिरकर 84.38 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 46 और डीजल 43 पैसे महंगा हुआ है। इसके अलावा. गुजरात, राजस्थान और पंजाब में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में तेजी आई है। इसके अलावा नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में 96.44 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर हो गया है. चारों महानगरों की बात करें तो दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर , डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर जबकि चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

चावल खरीद अभी तक 5.58 करोड़ टन पहुंची, गेहूं खरीद 2.62 करोड़ टन

मोदी सरकार ने 1.22 करोड़ किसानों को एमएसपी का भुगतान किया

नई दिल्ली । मोदी सरकार की चावल खरीद चालू विपणन सत्र 2022-23 में अब तक बढ़कर 5.58 करोड़ टन पर पहुंच गया है। साथ ही मोदी सरकार ने 1.22 करोड़ किसानों को 1.7 लाख करोड़ रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का भुगतान किया है। खाद्य मंत्रालय ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। वहीं रबी विपणन वर्ष 2023-24 (अप्रैल-मार्च) में अबतक गेहूं की खरीद 2.62 करोड़ टन रही है, जो पिछले साल की कुल खरीद 1.88 करोड़ टन से कहीं अधिक है। मंत्रालय ने कहा, ''गेहूं और चावल की मौजूदा खरीद से सरकारी भंडार में पर्याप्त खाद्यान्न है। इसमें कहा गया है कि गेहूं और चावल का संयुक्त स्टॉक 5.7 करोड़ टन पर पहुंच गया है, जो देश की खाद्यान्न जरूरतों के हिसाब से संतोषपूर्ण है। मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा खरीफ विपणन सत्र (अक्टूबर-सितंबर) में 19 जून तक कुल 8.3 करोड़ टन धान (चावल के मामले में 5.58 करोड़ टन) की खरीद की गई थी। मिलों में इस चावल में बदलने के बाद अबतक केंद्रीय पूल में लगभग 4.01 करोड़ टन चावल प्राप्त हो चुका है।

शेयर बाजार रिकार्ड तेजी पर बंद

सेंसेक्स 63,523 व निफ्टी 18856 पर पहुंचा , निवेशकों की संपत्ति 89 हजार करोड़ रुपये बढ़ी

मुम्बई ।

शेयर बाजार में बुधवार को हुई भारी लिवाली खरीदारी से बाजार में रिकार्ड तेजी रही। सेंसेक्स ने करीब डेढ़ साल बाद इतनी लंबी छलांग लगायी है। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी लिवाली के कारण बाजार खुलने के कुछ ही समय में बीएसई सेंसेक्स 260 अंक करीब 0.41 फीसदी बढ़कर 63,588 अंक पर पहुंच गया। वहीं इससे पहले सेंसेक्स एक दिसंबर, 2022 को 63,583 अंक तक पहुंचा था। इसके साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज निफ्टी भी 19 हजार के करीब पहुंचा है। कारोबार के अंत में तीस शेयरों वाला सेंसेक्स 195.45 अंक करीब 0.31 फीसदी बढ़कर 63,523.15 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला निफ्टी 40.15 अंक तकरीबन 0.21 फीसदी बढ़कर 18856.85 पर पहुंच गया। बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल मार्केट कैप बढ़कर 294.40 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया, यह गत कारोबारी सत्र में 93.51 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप करीब 89 हजार करोड़ रुपये बढ़ा है। गत पिछले कारोबारी सत्र में भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के शेयरों में से 14 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। पावर ग्रिड, एचडीएफसी, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और टीसीएस सेंसेक्स के शीर्ष पांच लाभ वाले शेयरों में रहे। पावर ग्रिड के शेयर सबसे अधिक 3.70 फीसदी तक ऊपर आये। वहीं दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 16 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। महिंद्रा एंड महिंद्रा, आईटीसी, इंडसइंड बैंक, एक्सिस बैंक और मारुति सेंसेक्स के शीर्ष पांच नुकसान वाले शेयर रहे। महिंद्रा एंड महिंद्रा के शेयर सबसे अधिक 1.59 फीसदी तक टूटे। इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार हल्की तेजी के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल लिवाली हावी रहने से आया है हालांकि विदेशी बाजारों से आज कमजोर संकेत मिले। शुरुआती कारोबार के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी लाभ के साथ ही हरे निशान पर कारोबार कर रहे थे।

रुपया बढ़त के साथ बंद

नई दिल्ली ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया आठ पैसे की तेजी के साथ ही 82.01 पर बंद हुआ। स्थानीय शेयर बाजारों से विदेशी कोषों की निकासी और डॉलर में आई तेजी से बुधवार को सुबह शुरुआती कारोबार में रुपया एक पैसे नीचे आकर 82.10 प्रति डॉलर पर आ गया। जानकारों के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भी रुपये पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। इसी के साथ ही अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.13 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद ये 82.07 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। बाद में यह एक पैसे टूटकर 82.10 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले मंगलवार को रुपया 82.09 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह अन्य मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती का आंकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ 102.57 पर पहुंच गया।

एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को लेकर बड़ी खबर

मुंबई । एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने 20 जून को एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस और एचडीएफसी एर्गो जनरल इंश्योरेंस कंपनी में हाउसिंग फाइनेंस कंपनी एचडीएफसी को अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदने के लिए मंजूरी दे दी है। सीसीआई द्वारा दी गई मंजूरी के बाद एचडीएफसी के एचडीएफसी बैंक में मर्जर का रास्ता साफ हो गया है। ऐसी उम्मीद है कि इस वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही तक यह विलय हो जाएगा। वहीं, पिछले महीने एनसीएलटी ने रिवर्स मर्जर को मंजूरी दी थी। इस मर्जर के पूरा होते ही एचडीएफसी बैंक 20 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति वाला देश का सबसे बड़ा प्राइवेट सेक्टर का बैंक बन जाएगा। हालांकि, इससे पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने अप्रैल में एचडीएफसी को एचडीएफसी लाइफ और एचडीएफसी एग्रो में मर्जर से अपनी शेयर होल्डिंग को 50 फीसदी से अधिक तक बढ़ाने की अनुमति दी थी। सीसीआई ने कहा कि उसने एचडीएफसी को एचडीएफसी एग्रो जनरल इंश्योरेंस में अतिरिक्त हिस्सादारी खरीदने की भी मंजूरी दे दी है।

पीएम मोदी से मुलाकात....फिर मस्क की नेटवर्थ में 9.95 अरब डॉलर का इजाफा

रॉकेट बना कंपनी का शेयर

मुंबई ।

दुनिया के सबसे बड़े अमीर कारोबारी एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद मस्क ने कहा कि उनकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला जल्दी से जल्दी भारत आने को तैयार है। उनका इतना कहना था कि टेस्ला का शेयर रॉकेट बन गया। कंपनी का शेयर 5.34 फीसदी की छलांग लगाकर बंद हुआ। इससे मस्क की नेटवर्थ में 9.95 अरब डॉलर यानी करीब 8,16,31,64,07,500 रुपये का इजाफा हुआ। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ अब 243 अरब डॉलर पहुंच गई है। पिछले महीने मस्क ने कहा था कि उनकी कंपनी एक नई फैक्ट्री के लिए इस साल के अंत तक जगह फाइनल करेगी। उनका कहना था कि भारत नए प्लांट के लिए एक इंटरेस्टिंग जगह है। पीएम मोदी से मुलाकात के बाद टेस्ला के भारत में निवेश करने की संभावना बढ़ गई है। इस कारण कंपनी के शेयरों में मंगलवार को भारी तेजी देखने को मिली। इसके पहले पिछले साल टेस्ला ने भारत में आने की योजना छोड़ दी थी। उसका कहना था कि भारत में गाड़ियों पर इम्पोर्ट टैक्स बहुत ज्यादा है। लेकिन हाल के दिनों में फिर कंपनी भारत में अपनी संभावनाएं तलाश रही है। मोदी सरकार चाहती है कि टेस्ला भारत में अपना प्लांट लगाए लेकिन टेस्ला पहले इम्पोर्ट करके भारतीय बाजार की थाह लेना चाहती है। लेकिन इसके लिए

टैक्स में भारी कटौती की मांग कर रही है। इसी बात पर पेच फंसा हुआ है। लेकिन मोदी और मस्क की मुलाकात के बाद कंपनी ने ट्वीट किया कि भारत में भारी निवेश किया जा सकता है। भविष्य में भारत और टेस्ला के बीच रिलेशनशिप हो सकती है। मस्क की नेटवर्थ में इस साल 106 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह दूसरे नंबर पर मौजूद फ्रांस के बर्नार्ड आरनॉल्ट से काफी आगे निकल चुके हैं। आरनॉल्ट की नेटवर्थ 197 अरब डॉलर है। मंगलवार को इसमें 5.75 अरब डॉलर की गिरावट आई। इस लिस्ट में जेफ बेजोस (150 अरब डॉलर) तीसरे, लैरी एलिसन (136 अरब डॉलर) चौथे और बिल गेट्स (132 अरब डॉलर) पांचवें नंबर पर हैं। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी 88.4 अरब डॉलर के साथ 13वें नंबर पर हैं। लेकिन अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी दो स्थान फिसलकर 21वें स्थान पर पहुंच चुके हैं। मंगलवार को उनकी नेटवर्थ में 1.51 अरब डॉलर की गिरावट आई और यह 61.4 अरब डॉलर रह गई है।

मुकेश अंबानी के लिए आई गुड न्यूज, आरबीआई ने दी अतिरिक्त रकम रखने की अनुमति

मुंबई ।

देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के इन्वेस्टर्स के लिए मार्केट खुलने से पहले गुड न्यूज आई है। आरबीआई ने रिलायंस को कारोबार का विस्तार करने के लिए अपने पास दो अरब डॉलर की अतिरिक्त रकम रखने की अनुमति दी है। यह रकम पिछले वित्तीय साल में जुटाई गई तीन अरब डॉलर से अलग है। सूत्रों के मुताबिक मुकेश अंबानी की कंपनी ने जो रकम जुटाई थी, वह आरबीआई की अनिवार्य लिमिट से ज्यादा थी। इसकारण कंपनी ने केंद्रीय बैंक की अनुमति मांगी थी। कंपनी इस रकम का इस्तेमाल वर्किंग कैपिटल को फंड करने और अपने न्यू एनर्जी तथा टेलिकॉम बिजनस को फैलाने के लिए करना चाहती है। साथ ही कंपनी इससे अलग दो अरब डॉलर और जुटाना चाहती है। इसका इस्तेमाल कैपिटल एक्सपेंडीचर और सितंबर में मैच्योर हो रहे दूसरे लोन को रिफाइनेंस करने के लिए कर सकती है।

सूत्र ने बताया कि रिलायंस की मजबूत क्रेडिट रेटिंग और कैश फ्लो को देखकर मार्च में दुनियाभर के बैंक कंपनी की लोन एक्सरसाइज में हिस्सा लेने के लिए उत्सुक थे। दो राउंट के सिंडिकेशन के बाद भी लोन के लिए मजबूत मांग बनी हुई थी। इसका मतलब है कि बैंक अब भी कंपनी को पैसा देना चाहते हैं। इसकारण कंपनी ने अपनी जरूरत से ज्यादा पैसा रिटेन करने का फैसला किया है।

यह पहला मौका नहीं है जब आरबीआई इस तरह की अनुमति दी है। रिलायंस भी इससे पहले केंद्रीय बैंक से इस तरह की परमिशन मांग चुकी है।

रिलायंस का शेयर लंबे समय से एक सीमत रेंज में ट्रेड रहा है। लेकिन जल्दी ही कंपनी का शेयर रॉकेट बन सकता है। रिपोर्ट के अनुसार क्लीन एनर्जी बिजनस आने वाले दिनों में रिलायंस के लिए ग्रोथ का नया इंजन बनने जा रहा है। फर्म का कहना है कि कंपनी का शेयर अपने मौजूदा लेवल से 21 फीसदी ऊपर जा सकता है। रिलायंस का मार्केट कैप के हिसाब से देश की सबसे बड़ी कंपनी है। रिलायंस न्यू एनर्जी बिजनस में 2030 तक 10 अरब डॉलर का रेवेन्यू हासिल कर सकती है।

2050 तक रिलायंस न्यू एनर्जी के शेयर की वैल्यू 1200 से 2200 रुपये तक हो सकती है जो मौजूदा वैल्यूएशन से 10 फीसदी अधिक है।

सुभाष चंद्रा, गोयनका से जुड़े घटनाक्रमों पर सोनी पिक्चर्स की नजर

मुंबई ।

सोनी पिक्चर्स एंटरटेनमेंट (एसपीई) ने कहा है कि वह अपनी भारतीय इकाई और जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज के विलय सौदे को प्रभावित करने वाले घटनाक्रमों पर निगाह रखेगी। एस्सेल समूह के चेयरमैन सुभाष चंद्रा और जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लि. के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पुनीत गोयनका के खिलाफ भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के अंतरिम आदेश के मद्देनजर कंपनी ने बयान दिया है। एसपीई का कहना है कि वह सेबी के अंतरिम आदेश को काफी गंभीरता से लेती है। कंपनी ने कहा कि सेबी के सुभाष चंद्रा और गोयनका के खिलाफ अंतरिम आदेश के बाद मीडिया में कई तरह की अटकलें चल रही हैं, जिसने जी के सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) में विलय की योजना के भविष्य पर अटकलें लगाई गई हैं। एसपीआई ने कहा कि हम सेबी के अंतरिम आदेश को काफी गंभीरता से लेते हैं और इस सौदे को प्रभावित करने वाले घटनाक्रमों पर हमारी निगाह है।'' सेबी ने चंद्रा और गोयनका के किसी सूचीबद्ध कंपनी में निदेशक या प्रबंध स्तर का कोई पद लेने की अंतरिम रोक लगा दी है। चंद्रा और गोयनका दोनों ने सेबी के अंतरिम आदेश को प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) में चुनौती दी है।

मुनाफा नहीं होने पर आम उत्पादक परेशान, मांगी सरकार से मदद

कोलकाता ।

इस साल चालू सीजन में आम की बंपर फसल होने की वजह से किसान घाटा उठा रहे हैं। जहां आम उत्पादक लागत निकालने के संकट से जूझ रहे हैं वहीं पश्चिम बंगाल के मालदा के आम किसानों ने सरकार से मदद करने की मांग की है। एक व्यापार निकाय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इसने सरकार से मालदा से अन्य राज्यों एवं विदेशों में इन फलों के अधिक निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए हस्तक्षेप करने और प्रोत्साहन प्रदान करने की मांग की है। व्यापार निकाय ने मालदा में साझा परीक्षण और निर्यात सुविधा केंद्रों के साथ-साथ उत्पादकों और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करने के लिए आम प्रसंस्करण सुविधा लगाने की भी मांग की है। बंगाल में मालदा और मुर्शिदाबाद जिले आम के लिए प्रसिद्ध हैं। मालदा मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष उज्जल साहा ने कहा कि सरकार ने पिछले दनों ही दो जिलों को आम के लिए नामित निर्यात क्षेत्र के रूप में मान्यता दी थी लेकिन यह बात केवल कलम और कागज में ही रह गई है। उन्होंने कहा कि पिछले दो से तीन वर्षों में इस क्षेत्र में कम से कम अतिरिक्त 200 हेक्टेयर को आम की खेती के तहत लाया गया है। किसान वर्तमान में खेत

स्तर पर केवल 10 रुपए प्रति किलोग्राम कमा रहे हैं, जबकि उत्पादन लागत लगभग 15 रुपए प्रति किलोग्राम है। इसलिए सरकार को मदद करनी चाहिए।

स्विस फ्रूट यूनियन के जैसा है आईफोन कंपनी एप्पल का लोगो

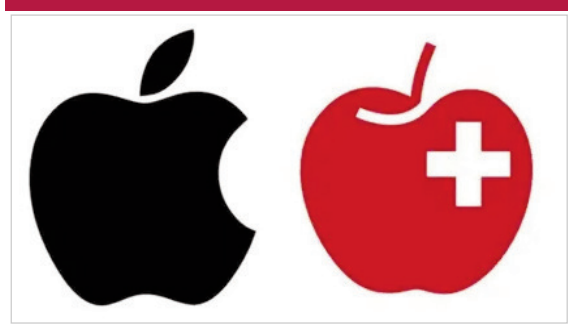

नई दिल्ली।

आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल का सेम लोगो 111 साल पुरानी कंपनी स्विस फ्रूट यू नियन के पास भी है। हालों कि जब कभी एप्पल कंपनी का नाम लेते हैं, लोगो यानी कटे सेब की तस्वीर सामने आ जाती है। अब कंपनी के इसी लोगो को लेकर एक मामला सामने आया है। दरअसल एप्पल के लोगो से मिलता जुलता लोगो कंपनी स्विस फूट यूनियन का भी है। इसी लोगो को लेकर विवाद बढ़ गया है। मौजूदा समय में एप्पल दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। इसका मार्केट कैप करीब 3 बिलियन डॉलर का है। कंपनी को इसके शानदार हाई क्वालिटी वाले प्रोडक्ट के लिए जाना जाता है। वहीं स्विस फूट यूनियन 111 साल से ज्यादा पुरानी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एप्पल स्विस फूट यूनियन को अपना लोगो बदलने के लिए मजबूर कर सकता है। इसके लिए कंपनी लगातार प्रयास कर रही है। अगर एप्पल इसमें सफल होती है तो सौ वर्षों से ज्यादा पुरानी कंपनी फ्रूट यूनियन सुइस को अपना लोगो बदलने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

मौजूदा समय में, स्विस फूट यूनियन का लोगो एक लाल सेब है जिस पर एक सफेद क्रॉस है। रिपोर्ट के मुताबिक, एप्पल ने पहली बार साल 2017 में स्विट्जरलैंड में फलों के ट्रेडमार्क को सुरक्षित करने की कोशिश की थी। हालांकि उस समय कंपनी को सफलता नहीं मिली थी। रिपोर्ट के मुताबिक, एप्पल का कई कंपनियों के खिलाफ विभिन्न वजहों से मुकदमों का बड़ा इतिहास रहा है। एप्पल के मौजूदा लोगो कटे सेब से पहले उसका लोगो आइज़ैक न्यूटन की तस्वीर थी। वहीं न्यूटन, जिन्होंने गुरुत्वाकर्षण की खोज की। एप्पल के लोगो में न्यूटन को सेब के पेड़ के नीचे बैठे दिखाया गया था। एप्पल के लोगो को लेकर कई कहानियां हैं।

एयर इंडिया ने दिया 470 जहाजों का खरीदी ऑर्डर, 70 अरब डॉलर में हुई डील

नई दिल्ली ।

टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन एयर इंडिया ने मंगलवार को एयरबस और बोइंग से करीब 70 अरब डॉलर यानी 5.47 लाख करोड़ रुपये में 470 विमानों की खरीद के करार पर हस्ताक्षर किए। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने इस साल फरवरी में कहा था कि वह बड़े आकार वाले विमानों सहित कुल 470 विमान इन दोनों विमान विनिर्माताओं से खरीदेगी। जानकारी के अनुसार एयरलाइन ने अपने बयान में कहा कि इस ऑर्डर में 34 ए350-1,000, छह ए350-900, 20 बोइंग 787 ड्रीमलाइनर और 10 बोइंग 777 एक्स बड़े विमानों के अलावा 140 एयरबस ए320 नियो, 70 एयरबस ए321 नियो और 190 बोइंग 737 मैक्स छोटे आकार के विमान शामिल हैं। इस खरीद करार पर पेरिस एयर शो से इतर हस्ताक्षर किए गए। एयर इंडिया ने कहा कि यह करार उसके द्वारा फरवरी में घोषित 70 अरब डॉलर के फ्लीट एक्सपेंशन कार्यक्रम का अगला कदम है। एयर इंडिया को इस साल बाद में एयरबस ए350 के साथ नए विमानों की आपूर्ति शुरू होगी।

कंपनी ने कहा कि ज्यादातर विमान 2025 के मध्य से मिलने शुरू होंगे। टाटा संस और एयर इंडिया के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा कि इस ऐतिहासिक कदम से दीर्घावधि की वृद्धि और सफलता की दिशा में एयर इंडिया की स्थिति और मजबूत हुई है। हमें पूरी उम्मीद है कि हम एक साथ आकर दुनिया के समक्ष आधुनिक विमानन का प्रतिनिधित्व करेंगे। गौरतलब है कि किफायती सेवाएं देने वाली एयरलाइन इंडिगो ने एयरबस को 500 विमानों की आपूर्ति का पक्का ऑर्डर देने की सोमवार को घोषणा की। इंडिगो ने बयान में कहा कि यह एयरबस को किसी भी एयरलाइन की तरफ से दिया गया सबसे बड़ा विमानों का ऑर्डर है। हालांकि, इंडिगो ने इस सौदे के वित्तीय पहलुओं का ब्योरा नहीं दिया है। इस विमान खरीद समझौते पर 'पेरिस एयर शो 2023' के दौरान हस्ताक्षर किए गए। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसे भारतीय विमानन के क्षेत्र के एक बड़ी उपलब्धि करार दिया।

मारुति की 2 कारों के लिए 1 लाख लोग लाइन में

-बैकलॉग का एक बड़ा कारण सप्लाई चेन में रुकावट

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी की अर्टिगा और एक्सएल6 दोनों कारों की 1 लाख से ज्यादा यूनिट्स का ऑर्डर पेंडिंग है। कारों के बैकलॉग का एक बड़ा कारण सप्लाई चेन में रुकावट और प्रोडक्शन से जुड़ी समस्या भी है। इंडियन ऑटोमोबाइल मार्केट में काफी पॉपुलर है। इन दोनों ही कारों की मार्केट में खूब डिमांड है। खासतौर पर अर्टिगा का कस्टमर बेस तो काफी बड़ा है। पिछले फाइनेंशियस इयर में कंपनी ने अर्टिगा की 1,27,679 यूनिट्स और 36,423 यूनिट्स एक्सएल6 की सेल हुई। अर्टिगा एफवाय23 में सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी रही।हालांकि, जबकि दोनों एमपीवी की डिमांड स्ट्रॉन्ग रही है - पिछले कुछ सालों में यह सेगमेंट तेजी से बढ़ा है। खासतौर पर सीएनजी वेरिएंट के लिए मई 2023 तक, मारुति के पास अकेले अर्टिगा सीएनजी के लिए 68,000 ऑर्डर्स पेंडिंग थे, जो मारुति के 1,21,000 यूनिट्स के सीएनजी ऑर्डर बैकलॉग का लगभग 56 प्रतिशत था। कंपनी ने के बड़े अधिकारी शशांक श्रीवास्तव ने कहा, अब ऐसा नहीं है कि केवल बड़े परिवार एमपीवी चुन रहे हैं, बल्कि इसमें वे लोग भी शामिल हैं जो यंग कपल्स या ऑफिस जाने वाले भी हो सकते हैं। यह अब न केवल एक बड़ा फैमिली व्हीकल है, बल्कि अब यह लाइफस्टाइल व्हीकल बन गए हैं। अर्टिगा का वेटिंग पीरियड वर्तमान में ज्यादातर शहरों में 8-10 महीने तक बढ़ जाती है, जबकि एक्सएल6 को लगभग 4-5 महीने के वेटिंग पीरियड के साथ थोड़ा पहले ही डिलीवर किया जा सकता है।

स्टोक्स ने अपनी टीम को सराहा, अगला मैच जीतेंगे

बर्मिंघम । इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सिरीज का पहला टेस्ट हारने के बाद भी वह निराश नहीं है। स्टोक्स ने कहा कि उनकी टीम ने इस मैच में काफी अच्छा खेलते हुए अंत तक संघर्ष किया हालांकि उन्होंने माना कि हार तो हार है। इंग्लैंड को इस मैच में दो विकेट से हार का सामना करना पड़ा है। मेजबान टीम के कप्तान ने कहा कि उनकी टीम अगला मैच जीतकर इस सीरीज में ऑस्ट्रेलिया से आगे ही रहेगी। स्टोक्स के अनुसार उनकी टीम ने पहले दिन ही 393 रन बना दिये थे जिसके कारण उन्हें अपनी टीम पर गर्व है। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, हार तो हार होती है। इसके बाद भी मुझे अपनी टीम पर बहुत गर्व है। मैच को पांचवें दिन के अंत तक ले जाने के लिए क्योंकि से मैच एक रोलरकोस्टर था, ऊपर और नीचे। यह उन खेलों में से एक है जिसे हम पिछले साल के दौरान कभी नहीं भूलेंगे। इस मैच के सबसे चर्चित पलों में से एक स्टोक्स का पहले दिन पारी घोषित करना था। पहले मैच के अंतिम सत्र में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और नाथन लायन ने अर्धशतकीय साझेदारी कर अपनी टीम को जीत दिलायी। इस दौरान कमिंस ने 44 और नाथन लियोन ने 16 रन बनाए। वह रॉबिन्सन ने कैमरन ग्रीन को 28 रनों पर आउट कर इंग्लैंड की वापसी करायी।

कप्तान के तौर पर विराट ने खेले हैं सबसे ज्यादा टेस्ट

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने पदार्पण मैच में असफल रहे थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ किंग्स्टन में खेल गये इस टेस्ट मैच में वह पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में केवल 15 रन ही बना पाये थे। इसके बाद भी विराट निराश नहीं हुए और लगातार आगे बढ़ते रहे। इसी आत्मविश्वास के बल पर आज वह विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक बन गये हैं। इसके साथ ही कप्तान के तौर पर भी उनका रिकार्ड अच्छा रहा है हांलांकि वह एक बार भी आईसीसी ट्रॉफी में टीम को जीत नहीं दिला पाये पर भारतीय टीम की ओर से कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा टेस्ट मैच उनके नाम हैं। विराट ने साल 2014 से 2022 तक भारतीय टेस्ट टीम की कप्तानी की थी। इस दौरान भारतीय टीम ने 68 टेस्ट मैच खेले थे जिनमें से उसे 40 में जीत मिली जबकि 17 टेस्ट मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। 11 टेस्ट ड्रॉ रहे। विराट ने भारतीय टीम की ओर से कप्तान के तौर पर सबसे ज्यादा टेस्ट मैच खेले हैं। इस सूची में दूसरे नंबर पर महेंद्र सिंह धोनी हैं जिन्होंने 2008 से 2014 तक 60 टेस्ट में भारत की कप्तानी की। वहीं सौरव गांगुली ने 2000 से 2005 तक 49 टेस्ट मैचों में भारत का नेतृत्व किया था। विराट ने 2011 से लेकर अभी तक 109 टेस्ट मैचों में 7 दोहरे शतक लगाये हैं। यह उपलब्धि करने वाले वह पहले भारतीय हैं। वहीं उनके बाद सबसे अधिक दोहरे शतक के मामले में वीरेंद्र सहवाग और सचिन तेंदुलकर का नंबर आता है। दोनों ने एक सामन 6 दोहरा शतक जमाया है जबकि राहुल द्रविड़ तीसरे नंबर पर हैं। उनके नाम टेस्ट में 5 दोहरे शतक है। विराट के टेस्ट में अभी तक 28 शतक हैं और वह सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर के बाद चौथे नंबर पर हैं। तेंदुलकर के नाम 51, द्रविड़ के 36 और गावस्कर के 34 शतक हैं।

ताइपे ओपन : प्रणय और कश्यप प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

ताइपे ।

भारत के एचएस प्रणय और पारूपल्ली कश्यप जीत के साथ ही ताइपे ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। प्रणय और कश्यप ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ सीधे गेम में जीत दर्ज करके पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। प्रणय ने स्थानीय खिलाड़ी लिन यू सिएन को पहले दौर में केवल 26 मिनट में 21-11 21-10 से हरा दिया। प्रणय का मुकाबला अब चेन ची टिंग और टॉमी सुगियार्तो के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता खिलाड़ी से होगा। वहीं कश्यप ने जर्मनी के सैमुअल सियाओ को सीधे गेम में 21-15 21-16 हराया। अब अगले दौर में उनका मुकाबला स्थानीय खिलाड़ी सू ली यैंग से होगा। वहीं भारत के ही एस शंकर मुथुस्वामी सुब्रमण्यन को जापान के के ंटा सुनयामा ने हराया। सुनयामा ने एकतरफा मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी को 21-13 21-5 से पराजित किया।

एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी में भारतीय टीम का पहला मुकाबला चीन से

चेन्नई । चेन्नई में तीन से 12 अगस्त तक यहां होने वाली एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम का शुरुआती मुकाबला चीन से होगा। ये मुकाबला मेजर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में तीन अगस्त को खेला जाएगा। इसके बाद भारतीय टीम अपने दूसरे मैच में चार अगस्त को जापान से और छह अगस्त को मलेशिया से खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम को दक्षिण कोरिया को सामना करना होगा। एशियाई हॉकी महासंघ ने जो कार्यक्रम जारी किया है। उसके तहत भारत और पाकिस्तान का मुकाबला नौ अगस्त को खेला जाएगा। छह टीमों के इस टूर्नामेंट में दक्षिण कोरिया, मलेशिया, पाकिस्तान, जापान, चीन और भारत की टीमें भाग लेंगी। सभी टीमें एक ही पूल में है और अंकतालिका के आधार पर उनके मुकाबले होंगे। गत चैम्पियन कोरिया को पहले मैच में जापान से खेलना है। वहीं सेमीफाइनल मुकाबले 11 अगस्त को जबकि खिताबी मुकाबला 12 अगस्त को खेला जाएगा। भारत और पाकिस्तान की टीमों ने ये खिताब तीन-तीन बार जीता है।

भारत की महिला टीम ने महिला इमर्जिंग एशिया कप जीता

बांग्लादेश को 31 रन से हराया

नई दिल्ली ।

भारत की अंडर-23 महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को 31 रन से हराकर महिला इमर्जिंग एशिया कप टी20 खिताब जीत लिया है। श्रेयंका पाटिल और मन्नत कश्यप की फाइनल में शानदार गेंदबाजी से भारतीय टीम को ये जीत मिली। फाइनल में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का भारतीय टीम ने 7 विकेट पर 127 रन बनाए। दिनेश वृंदा ने 29 गेंदों पर सबसे ज्यादा 36 रन जबकि कनिका आहूजा ने 23 गेंदों पर नाबाद 30 रन बनाये। इस प्रकार बांग्लादेश को जीत के लिए 128 रनों का लक्ष्य मिला। इसके बाद बांग्लादेश की टीम बल्लेबाजी करते हुए 19.2 ओवर में केवल 96 रनों पर ही सिमट गयी। भारत की ओर से ऑफ स्पिनर श्रेयंका पाटिल ने 13 रन देकर 4 जबकि मन्नत ने 20 रन देकर 3 विकेट लिए। वहीं कनिका ने 23 रन देकर 2 विकेट लिए। भारतीय गेंदबाजों के सामने बांग्लादेश के बल्लेबाज टिक नहीं पाये और एक के बाद एक पेवेलियन लौटने लगे। बांग्लादेश की ओर से केवल शोभना मोस्टरी ने 16 और नाहिदा एक्टर 17 रन बनाकर नाबाद रहीं।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी ने धीमी ओवर गति के लिए ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पर जुर्माना लगाया , 2-2 अंक भी काटे

बर्मिंघम । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एशेज क्रिकेट सीरीज के पहले ही मैच में धीमी ओवर गति के लिए ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड पर जुर्माना लगाया है। आईसीसी ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों की 40 फीसदी मैच फीस के साथ ही 2-2 अंक भी काटे हैं। इससे दोनो ही टीमों को काफी नुकसान हुआ है। ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के तीसरे चक्र के तहत खेली जा रही एशेज सीरीज के पहले टेस्ट में जीत के साथ ही 12 अंक हासिल किए थे पर आईसीसी जुर्माने के बाद अब ऑस्ट्रेलिया के 10 अंक ही रह गए हैं। वहीं इंग्लैंड के भी 2 अंक काटे गए हैं। इससे अब इंग्लैंड टीम टीम डब्ल्यूटीसी (2023-25) में सभी आठों टीमों से पीछे हो गई है। इस मामले में आईसीसी के मैच रैफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट के अनुसार दोनों ही टीमों तय समय से 2 ओवर पीछे रहीं थीं। इसलिए ये जुर्माना लगाया गया है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स दोनों ने ही प्रतिबंधों को स्वीकार कर लिया है। इसलिए इस मामले में किसी भी प्रकार की कोई औपचारिक सुनवाई नहीं होगी। आईसीसी नियम के अनुसार अगर कोई टीम धीमी ओवर गति की दोषी पाई जाती है तो खिलाड़ियों पर हर ओवर के लिए 20 फीसदी मैच फीस का जुर्माना लगाया जाता है। इंग्लैंड ऑस्ट्रेलिया ने 2-2 ओवर कम फेंके थे। इसलिए कुल 40 फीसदी का जुर्माना लगाया गया। वहीं हर ओवर के लिए एक अंक काटा जाता है। इसलिए दोनो ही टीमों को दो-दो अंकों का नुकसान उठाना पड़ा है।

पहले टेस्ट में इंग्लैंड की हार के कई कारण रहे, आक्रामक रणनीति भी इनमें एक रही

बर्मिंघम । एशेज सीरीज के पहले ही मैच में जिस प्रकार ऑस्ट्रेलिया ने अपने ही तरीके से खेलते हुए मेजबान इंग्लैंड को हराया। उससे मेजबान टीम की आक्रामक रणनीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। इंग्लैंड ने विरोध टीम पर दबाव बनाने जो रणनीति बनायी थी वह उसी पर भारी पड़ गयी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में इंग्लैंड अपने ही जाल में फंसता चला गया। इंग्लैंड ने अपनी आक्रामक रणनीति के तहत निडर होकर बल्लेबाजी। वहीं दूसरे ओर ऑस्ट्रेलिया की ओर से उस्मान ख्वाजा ने परंपरागत तरीके से बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाकर अपनी टीम को मैच में बनाये रखा। इसके अलावा अंतिम पारी में मेहमान ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने हिम्मत नहीं हारते हुए आठ विकेट गिरने के बाद भी अपना हौसला बनाये रखते हुए मैच अपने नाम किया। इंग्लैंड इस मैच में हर सत्र के साथ पीछे होता गया। तीसरे दिन दोपहर में हुई बारिश से भी इंग्लैंड टीम को झटका लगा। यह मैच का सबसे अहम समय था क्योंकि तब ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज मैदान पर टिकने के लिए संघर्ष कर रहे थे। मेजबानों ने जैसी तेज, सपाट पिच बनवाई थी, इस पर विकेट सिर्फ बड़े टर्न, तेज गेंदबाजी और बल्लेबाजों की गलती से हासिल किया जा सकता था। अंतिम सत्र में जब मुकाबला रोमांचक हुआ था तब, टी-ब्रेक के बाद मोईन अली का गेंदबाजी के लिए उपलब्ध नहीं होना भी मेजबान टीम के लिए नुकसानदेह साबित हुआ।

सैम्स की टी20 ब्लास्ट में आक्रामक बल्लेबाजी से जीता एसेक्स

आईपीएल में नहीं मिला था खेलने का अवसर

लंदन ।

ऑलराउंडर डेनियल सैम्स की आक्रामक बल्लेबाजी से इंग्लैंड में जारी टी20 ब्लास्ट मैच में एसेक्स ने मिडिलसेक्स को हरा दिया। वर्षा बाधित इस मैच में एसेक्स ने डकवर्थ नियम के तहत मिडिलसेक्स को 22 रनों से हराया। सैम्स ने इस मैच में 24 गेंदों में 67 रन बनाए। सैम्स ने हाल में आईपीएल में भी भाग लिया था। वह इसमें लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम में शामिल थे पर उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला। वह सभी मैचों में बैंच पर ही रहे। लखनऊ से पहले इस क्रिकेटर ने मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और दिल्ली कैपिटल्स की ओर से भी खेला है। इस सत्र में वह इंग्लैंड की ओर से टी20 ब्लास्ट में एसेक्स के लिए दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक 176 के स्ट्राइक रेट से कुल 228 रन बनाए हैं।

सैम्स अब तक 3 अर्धशतक लगाये हैं। मिडिलसेक्स के खिलाफ मैच में वह जब बल्लेबाजी करने उतरे थे तब टीम का स्कोर 149 रन था और 4 विकेट गिर गये थे। सैम्स ने आते ही चौकों छक्के लगार मैच अपनी टीम की ओर कर दिया।

सैम्स के अलावा डैन लॉरेंस ने 30 गेंदों में 53 रन बनाए जबकि . माइकल पेपर ने कुल 64 रनों की पारी खेली। सैम्स ने अब तक टी20 अंतरराष्ट्रीय में सिर्फ 10 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने सात इनिंग्स में बल्लेबाजी करते हुए 106 रन बनाए हैं। उनका उच्चतम स्कोर 41 का रहा है।

आईसीसी बल्लेबाजी टेस्ट रैंकिंग में रुट शीर्ष पर पहुंचे, गेंदबाजी रैंकिंग में अश्विन नंबर एक पर बरकरार

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को रैंकिंग जारी की। इसमें भारतीय टीम के अनुभवी स्पिनर आर अश्विन गेंदबाजी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर बरकार हैं। वहीं बल्लेबाजी रैंकिंग में इंग्लैंड के जो रुट 887 अंक लेकर शीर्ष पर पहुंच गये हैं जबकि ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन 877 अंक लेकर दूसरे स्थान पर खिसक गये हैं। रुट ने एशेज सीरीज के पहले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया था जिसका उन्हें लाभ मिला है, वहीं लाबुशेन इस मैच में रन नहीं बना पाये थे। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल (डब्ल्यूटीसी) में अश्विन को अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद भी वह 860 अंक के साथ विश्व के नंबर एक गेंदबाज बने हुए हैं। वहीं इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन 829 अंक के साथ दूसरे स्थान पर खिसक गये हैं जबकि वहीं दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबादा ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस 824 को पीछे छोड़कर 825 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। भारत के तेज जसप्रीत बुमराह 772 और रविंद्र जडेजा 765 अंकों के साथ ही आठवें और नौवें स्थान पर बने हुए हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में भारत की ओर से शीर्ष दस में केवल विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ही शामिल हैं। ऋषभ दिसंबर में हुए कार हादसे के बाद से ही खेल से दूर हैं। वहीं विराट कोहली विश्व टेस्ट चैम्पियनशिन के बाद एक स्थान नीचे 14वें स्थान पर फिसल गए हैं जबकि कप्तान रोहित शर्मा 12वें स्थान पर हैं। चेतेश्वर पुजारा 25वें स्थान पर हैं और अजिंक्य रहाणे और श्रेयस अय्यर एक-एक स्थान ऊपर आकर 36वें और 37वें स्थान पर हैं।

हसरंगा ने एकदिवसीय में अपने 50 विकेट पूरे किये

बुलावायो । श्रीलंकाई स्पिनर वानिन्दु हसरंगा ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ जिम्बाब्वे के बुलावायो में हुए आईसीसी विश्वकप क्रिकेट क्वालीफायर मैच में 24 रन देकर 6 विकेट लेने के साथ ही एकदिवसीय प्रारुप में अपने 50 विकेट पूरे किये। वह यह आंकड़ा हासिल करने वाले श्रीलंका के 28वें गेंदबाज हैं। इस श्रीलंकाई गेंदबाज ने 42 एकदिवसीय मैच खेलते हुए अपना 51 विकेट लिया। उन्होंने एक मैच में 5 विकेट लेने की उपलब्धि भी हासिल की है। उनका इकॉनमी 5.01 और औसत 32.70 का है। हसरंगा की गेंदबाजी की बदौलत विश्व कप क्वालीफायर में श्रीलंका ने यूएई को 175 रनों के बड़े अंतर से हराया। श्रीलंका के सक्रिय क्रिकेटरों में वह दूसरे सबसे ज्यादा एकदिवसीय विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

अश्विन ने जीता शतरंज खिताब , सौरभ को दूसरा स्थान

भोपाल ।

भोपाल में आयोजित तीसरे रैपिड शतरंज टूर्नामेंट का खिताब राजधानी के ही खिलाड़ी अश्विन डेनियल ने जीता है। इस टूर्नामें में कुल 108 खिलाड़ियों और 30 अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाड़ियों की मौजूदगी में अश्विन नें सात राउंड में अजेय रहते हुए 6.5 अंक हासिल किये। इससे पहले अश्विन नें खेलो शतरंज इंडिया के दूसरे ब्लिट्ज़ टूर्नामेंट में भी खिताब जीता था और इस तरह से अश्विन ने अब तक सम्पन्न हुए पांच ओपन टूर्नामेंट में से 3 के खिताब हासिल किये हैं।

इस टूर्नामेंट में अश्विन की दूसरे वरीयत प्राप्त खिलाड़ी सौरभ चौबे पर जीत अहम रही और इसके साथ ही अश्विन नें खेलो शतरंज इंडिया का तीसरा टूर्नामेंट जीत लिया। वहीं सौरभ दूसरे स्थान पर रहे जबकि गौरव निगम को तीसरा स्थान मिला। अश्विन 6.5 अंक बनाकर आधे अंक के अंतर से सबसे आगे रहे जबकि 6 अंको पर चार खिलाड़ियों के बीच टाई की स्थिति में 6 अंको पर सौरभ दूसरे तो गौरव तीसरे स्थान पर रहे। सबसे उम्र के खिलाड़ी का खिताब गुड़गाँव के रेयांश गुप्ता को दिया गया ,अंडर 8 बालक वर्ग में कबीर गुप्ता पहले , मेदान्त जैन दूसरे तो शौर्य लाहौती तीसरे स्थान पर रहे , अंडर 8 बालिका वर्ग में आनया साहू पहले ,वेरोनिका कटारिया दूसरे और आरिया पारासार तीसरे स्थान पर रही। वहीं अंडर 10 बालक वर्ग में आरव नरेदा ,अभियादित्य जैन और शौर्य मिश्रा नें पहले तीन स्थान में जगह बनाई ,तो अंडर 10 बालिका वर्ग में अवंतिका सिंह , श्रृष्टि दीक्षित और जयति आचार्य नें पहले तीन स्थान पर रहे। ,अंडर 12 बालक वर्ग में दर्शिल अइयर ,सूर्यान्श सूर्यवंशी और ऋषभ सक्सेना को पहले तीन स्थान हासिल हुए ,अंडर 12 बालिका वर्ग में आरना चौबे पहले, आन्या जोशी दूसरे और मौली श्रीवास्तव तीसरे स्थान पर रही । सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ियों में कनिष्का चौधरी पहले ,ऐश्वर्या डेनियल दूसरे और तन्वी चंडाक को तीसरा स्थान मिला।

रजा के तूफानी शतक से जिम्बाब्वे ने विश्व कप क्वालिफायर में नीदरलैंड को हराया

हरारे । सिकंदर रजा की धातक गेंदबाजी और तूफानी शतक से जिम्बाब्वे ने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप क्वालिफायर के पांचवे मुकाबले में नीदरलैंड को हरा दिया। इस मैच में नीदरलैंड ने जिम्बाब्वे को 316 रनों का लक्ष्य दिया जिसे जिम्बाब्वे ने रजा की आतिशी बल्लेबाजी से हासिल कर लिया। रजा ने 5वें नंबर पर उतरते हुए 54 गेंदों में ही नाबाद 102 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। अपनी इस पारी में उन्होने 6 चौके व 8 छक्के लगाये। इसी के साथ रजा अब जिम्बाब्वे के लिए एकदिवसीय में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जिम्बाब्वे जब जीत से महज 3 रन दूर था तो सिकंदर को शतक के लिए 4 रन की जरूरत थी। रजा ने 41वें ओवर की 5वीं गेंद पर वान वीक पर छक्का लगाकर अपनी टीम को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। रजा से पहले जिम्बाब्वे की ओर से सबसे तेज एकदिवसीय शतक सीन विलियम्स ने लगाया था, जिन्होंने नेपाल के खिलाफ हुए मैच में 70 गेंदों में नाबाद 102 रन बनाए थे। रजा ने इस मैच में गेंदबाजी में भी प्रभावित किया और 55 रन देकर चार विकेट लिए। इस मैच में नीदरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। सलामी बल्लेबाजपनर विक्रमजीत सिंह व मैक्स ओवैद ने पहले विकेट के लिए 20.2 ओवर में 120 रन बनाये। रजा ने ने ओवैद को 59 पर आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद तीसरे नंबर पर आए बरेसी को भी रजा ने 4 रन पर पेवेलियन भेज दिसा। इसके बाद उन्होंने विक्रम को 88 रन पर आउट कर तीसरा विकेट लिया। बास डे लीडे 4 रन बनाकर रजा का शिकार बनने वाले चौथे खिलाड़ी रहे।

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशूहर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है।एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफ़े और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेटिंक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

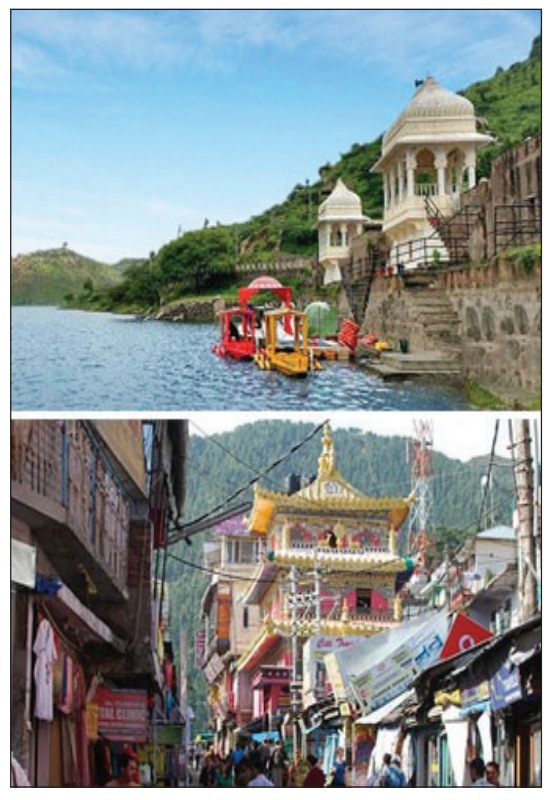

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफ़े आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

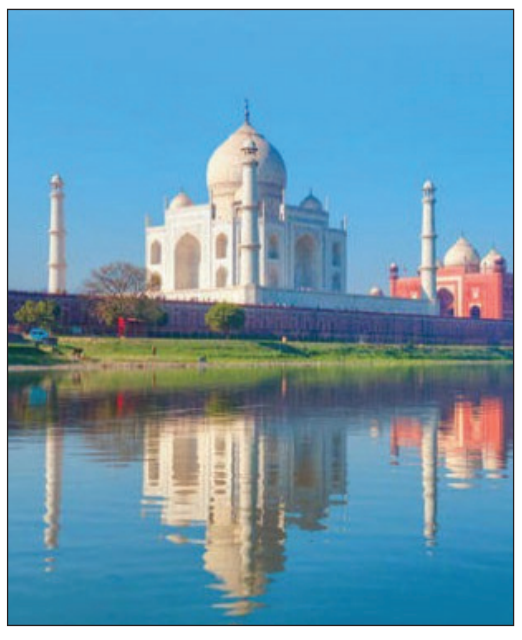

संयुक्त राष्ट्र में आतंकी साजिद मीर की ऑडियो क्लिप सुना भारत ने पाकिस्तान और चीन को दिखाया आईना

न्यूयॉर्क ।भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान स्थित लश्कर ए तैयबा के आतंकी साजिद मीर को वैश्विक आतंकी घोषित करने के लिए प्रस्ताव दिया था, इस प्रस्ताव को चीन ने रोक दिया।इस पर भारत ने बुधवार को प्रतिक्रिया देकर चीन के इस कदम की निंदा की।साथ ही भारत ने पाकिस्तान और चीन दोनों के यूएन में आईना दिखाया।भारत ने आतंकी साजिद मीर की ऑडियो क्लिप सुनाई। जो ऑडियो क्लिप सुनाई है उसमें सुना जा सकता हैं कि आतंकी साजिद मीर अपने दूसरे आतंकी को गोली चलाने की बात कह रहा है। जहां पर आपको मूवमेंट नजर आ रही है, छत पर जो भी आ रहा है, उस पर फायर ठोको...उसे नहीं पता कि यहां पर क्या हो रहा है।आतंकी साजिद मीर की बात सुनने के बाद सामने से दूसरा आतंकी इसके जवाब में कहता है कि इंशाअल्लाह...।

बता दें कि भारत ने मंगलवार को लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी साजिद मीर को वैश्विक आतंकी घोषित करने के लिए यूएन में प्रस्ताव लाया था, जिसे चीन ने ब्लॉक कर दिया था।आतंकी साजिद मीर भारत में सबसे वांछित आतंकियों में से एक है। मुंबई हमले में उसकी भूमिका के लिए अमेरिका ने मीर के सिर पर 50 लाख डॉलर का इनाम रखा है।

भूटान में डालर पर भुगतान करने पर पर्यटकों को रियायत

थिंपू ।भूटान सरकार ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं शुरू कर रही है।पर्यटकों को लुभाने के लिए पर्यटन नीति में कई बदलाव किए हैं।भूटान की सरकार हिमालय की चोटियों की पवित्रता को बनाए रखने के लिए पर्वतारोहण पर प्रतिबंध लगाता है।लेकिन अब पर्यटन बढ़ाने के लिए 4 दिनों के लिए दैनिक शुल्क का भुगतान डालर मे करने पर चार अतिरिक्त दिनों रहने की सुविधा दी जाएगी। नई पर्यटन नीति में 12 दिन की फीस का भुगतान डालर में करने वाले पर्यटक को 1 माह तक रुकने की अनुमति होगी।डालर से भुगतान करने वालों को विशेष रियायत दी जाएगी।भूटान की इस योजना से भूटान में डालर से पेमेंट करने की प्रवृत्ति बढ़ेगी।जिसका असर भारत में अवश्य पड़ेगा। उल्लेखनीय है, भूटान के थिंमफू में बुद्ध डोरडेनमा की प्रतिमा है।इसके दर्शन करने के लिए भी बड़ी संख्या में पर्यटक दुनिया भर के देशों से यहां पहुंचते हैं।

अमेरिका में वॉलमार्ट के अंदर गोलीबारी

वॉशिंगटन ।पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी प्रांत टेनेसी में लेनोइर सिटी में वॉलमार्ट के अंदर गोलीबारी के बाद जांच शुरू की है। रिपोर्ट के अनुसार, लेनोइर सिटी पुलिस विभाग के प्रमुख डॉन व्हाइट ने कहा कि एक संदिग्ध ने शाम करीब सात बजे हाईवे 321 स्थित वॉलमार्ट में पांच राउंड गोलियां चलाईं।उन्होंने बताया कि अधिकारी मौके पर पहुंचे और इमारत को खाली करा लिया।पुलिस ने संदिग्ध की गिरफ्तारी और सजा दिलाने वाली सूचना के लिए 5,000 डॉलर के इनाम की घोषणा की है।हालांकि शूटिंग के बारे में अतिरिक्त विवरण तुरंत उपलब्ध नहीं थे, लेनोइर सिटी के मेयर टोनी ऐकेंस ने बताया कि सबूत बताते हैं कि किसी ने हवा में गोली चलाई, विशेष रूप से किसी को निशाना नहीं बनाया।

भारत को 'नाटो प्लस' में शामिल करने के लिए विधेयक लाएगा 'सीनेट इंडिया कॉकस'

वाशिंगटन ।अमेरिका के वरिष्ठ सांसद मार्क वॉर्नर ने कहा कि वह भारत को 'नाटो प्लस' का हिस्सा बनाने एक विधेयक पेश करने की योजना बना रहे हैं, जिससे चीन की बढ़ती चुनौतियों के बीच शीर्ष अमेरिकी प्रौद्योगिकी और रक्षा उपकरणों को स्थानांतरित करने में नौकरशाही के स्तर पर पेश आ रही परेशानियों को दूर कर सकते हैं।उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) प्लस' (वर्तमान में नाटो प्लस 5) एक सुरक्षा व्यवस्था है, जो रक्षा और खुफिया संबंधों को बढ़ावा देने के लिए नाटो और पांच गठबंधन देशों, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान, इज़राइल व दक्षिण कोरिया को एक साथ लाती है। वॉर्नर ने कहा, ''सीनेट इंडिया कॉकस में मेरे सह-अध्यक्ष सीनेटर (जॉन) कॉर्निन और मैं इस सप्ताह इस विधेयक को एक स्वतंत्र (स्टैंडअलोन) विधेयक और रक्षा प्राधिकरण अधिनियम में संशोधन विधेयक के तौर पर पेश करने वाले हैं, ताकि भारत-अमेरिका रक्षा संबंधों को गति देने में मदद मिले।'' वार्नर ने कहा, ''हम जो प्रस्ताव रख रहे हैं, उसका मकसद तथाकथित नाटो प्लस5 व्यवस्था में भारत को शामिल करना है, जिससे अमेरिका मामूली नौकरशाही हस्तक्षेप के साथ नयी दिल्ली को रक्षा उपकरणों की आपूर्ति करने में सक्षम हो पाए।'' डेमोक्रेटिक पार्टी से जुड़े वार्नर और रिपब्लिकन पार्टी के नेता कॉर्निन 'सीनेट इंडिया कॉकस' के सह-अध्यक्ष हैं। यह कॉकस अमेरिकी सीनेट में एकमात्र देश-विशिष्ट संसदीय कॉकस है।

पीएम मोदी को मंच तक लेकर आएंगे भारतीय मूल के अमेरिका नेता थानेदार

न्यूर्याक ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की सरजमीं पर पहुंच चुके हैं। अमेरिका के दौरे पर, तब पीएम मोदी पहले भी गए हैं।लेकिन उनका ये पहला राजकीय दौरा है।इसलिए ये दोनों देशों के लिए काफी अहम माना जा रहा है। न्यूयॉर्क में पीएम मोदी बुधवार शाम 5~30 में योग भी करने वाले हैं।दूसरी बार वहां यूएस कांग्रेस को भी संबोधित करने जा रहे हैं।जब अमेरिकी संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए पीएम मोदी पहुंचेंगे तब उस समय भारतीय अमेरिकी सांसद थानेदार उन्हें मंच तक लेकर जाएंगे।डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता थानेदार संसद में मिशिगन के 13वें 'कांग्रेसनल जिले' का प्रतिनिधित्व करते हैं।उन्हें अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने 22 जून को प्रधानमंत्री मोदी के सम्मान में व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में आयोजित राजकीय रात्रिभोज के लिए भी आमंत्रित किया है।थानेदार ने कहा कि मैं गरीबी में पला-बढ़ा और एक सपने के साथ अमेरिका आया।मैं सौभाग्यशाली हूं कि मैंने अमेरिका को लेकर अपने सपने को पूरा किया।अमेरिका प्रवासियों का देश है, यह अवसरों की भूमि है और यह विविधता हमारे देश को मजबूत बनाती है।उन्होंने अमेरिका और भारत के बीच मजबूत संबंधों के समर्थन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।उन्होंने बताया कि पिता के रिटायरमेंट के बाद परिवार को मदद करने के लिए 14 साल की उम्र में ही उन्?हें कई तरह के काम करने पड़े।पिता की मौत के बाद उन्?होंने चौकीदार की भी जॉब की।

चिंता का विषय...65 प्रतिशत तेजी से पिघल रहे हिमालयी ग्लेशियर

काठमांडू ।वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी कि जलवायु परिवर्तन के कारण लगभग दो अरब लोगों को महत्वपूर्ण पानी उपलब्ध कराने वाले हिमालयी ग्लेशियर पहले से कहीं अधिक तेजी से पिघल रहे हैं।हिमालयी ग्लेशियर पिघलने के कारण समुदायों को अप्रत्याशित और महंगी आपदाओं का सामना करना पड़ रहा है। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट (आईसीआईएमओडी)

की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले दशक की तुलना में 2011 से 2020 तक ग्लेशियर 65 प्रतिशत तेजी से पिघल रहे हैं।प्रमुख लेखक फिलिपस वेस्टर ने बताया कि जिस गति से बर्फ पिघल रही है वह अप्रत्याशित और चिंताजनक है।उन्होंने कहा कि हमें नहीं पता था कि यह इतनी तेजी से आगे बढ़ेगा।रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंदू कुश हिमालय (एचकेएच) क्षेत्र में ग्लेशियर पर्वतीय क्षेत्रों में लगभग 240 मिलियन लोगों के साथ-साथ नदी घाटियों में अन्य 1.65 बिलियन लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्रोत हैं। आईसीआईएमओडी, एक अंतर-सरकारी संगठन, जिसके सदस्य देश अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, चीन, भारत, म्यांमार और पाकिस्तान भी शामिल हैं, ने कहा कि वर्तमान उत्सर्जन प्रक्षेपवक्र के आधार पर, ग्लेशियर सदी के अंत तक अपनी वर्तमान मात्रा का 80 प्रतिशत तक खो सकते हैं।ग्लेशियर दुनिया की 10 सबसे महत्वपूर्ण नदी प्रणालियों की जल आपूर्ति करता है जिसमें गंगा, सिंधु, येलो, मेकांग और इरावदी शामिल हैं, और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अरबों लोगों को भोजन, ऊर्जा, स्वच्छ हवा और आय की आपूर्ति करते हैं।

पेरिस में 54 वें अंतरराष्ट्रीय पेरिस एयर शो को देखने पहुंचे लोग।

अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां बेहद सतर्क, पीएम मोदी के खिलाफ प्रदर्शन का खतरा

वॉशिंगटन ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रदर्शन व हमले का खतरा देखते हुए अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां बेहद सतर्कता बरत रही है। गौरतलब है कि पीएम मोदी इस समय अमेरिका की राजकीय यात्रा पर हैं।खबर है कि विरोधी समूहों को देखते हुए अमेरिका की सुरक्षा एजेंसियां तत्पर हैं।कहा जा रहा है कि इस साल मार्च में हुई घटना के कारण एजेंसियां अतिरिक्त सावधान हैं, जब खालिस्तानी समर्थक समूहों ने पंजाब में खालिस्तान समर्थक और वारिस पंजाब दे के मुखिया अमृतपाल सिंह पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। पीएम मोदी को अमेरिका आने का न्योता खुद राष्ट्रपति जो बाइडन ने दिया था। अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करेंगे। सूत्रों की मानें तो सुरक्षा एजेंसियों को सिर्फ विरोध प्रदर्शन ही नहीं बल्कि हमले का भी डर सता रहा है। अमेरिकी अधिकारी भी समझते हैं कि विरोध प्रदर्शनों से हिंसा हो सकती है। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर इन समूहों के हमलों की वजह से सुरक्षा एजेंसियां खासतौर पर सतर्क हैं। खबर है कि अमेरिका के अधिकार समूह पीएम मोदी की यात्रा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं।हालांकि विशेषज्ञों को वॉशिंगटन की तरफ से नई दिल्ली की सार्वजनिक रूप से आलोचना की उम्मीद नहीं है।

मीडिया में आ रही खबरों के अनुसार, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल, पीस एक्शन, वेटरन्स फॉर पीस और बेथेस्डा अफ्रीकन सिमेट्री गठबंधन की 22 जून को वाइट हाउस के पास इकट्ठा होने की योजना है, जहां पीएम मोदी जो बाइडन से मिलने वाले हैं।न्यूयॉर्क में एक अन्य कार्यक्रम की भी योजना है जिसमें हाउडी डेमोक्रेसी नामक एक शो दिखाया जाएगा। इस दौरान सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से सतर्क हैं।

भारत ने बढ़ाया हाथ, 180 देश आए साथ, संयुक्त राष्ट्र हेडक्वार्टर में पीएम मोदी का योग

वॉशिंगटन। (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संयुक्त राज्य अमेरिका की पहली राजकीय यात्रा का दूसरा दिन है। वो 20 जून को न्यूयॉर्क पहुंचे, जहां उनका स्वागत अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू और संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने किया। अपनी पांच दिवसीय राजकीय यात्रा के दूसरे दिन पीएम मोदी संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नेतृत्व किया। वहां से वह वाशिंगटन डीसी के लिए रवाना होंगे जहां राष्ट्रपति बाइडेन और प्रथम महिला जिल बाइडेन 22 जून को राजकीय रात्रिभोज में उनकी मेजबानी करेंगे।

महात्मा गांधी की प्रतिमा को पुष्पांजलि

यू तो पांच हजार साल पहले हिंदुस्तान ने दुनिया को योग सिखाया जब अगस्त ऋषि ने घूम-घूमकर इसके बारे में बताया। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 180 देशों के प्रतिनिधि योग दिवस के समारोह में शामिल होते हुए इसे खास बनाते हुए नजर आए। संयुक्त राष्ट्र के शीर्ष अधिकारियों के अलावा दुनियाभर से आए लोग इसमें भाग लेते नजर आए। महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए पीएम मोदी ने इस कार्यक्रम की शुरुआत की। जहां योग दिवस के कार्यक्रम का आयोजन उत्तरी लॉन में हुआ वहां पिछले साल दिसंबर में संयुक्त राष्ट्र की ओर से महात्मा गांधी की प्रतिमा को वहां पर स्थापित किया गया था। दुनियाभर के तमाम मुल्कों के लोग जब जब यूएन के मुख्यालय जाते हैं तो महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने शीश झुकाना नहीं भूलते हैं।

यूएन के आंगन से हिंद का योग संदेश

पीएम मोदी के पहल पर ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की घोषणा साल 2014 में की गई थी। 9 साल के बाद इस खास दिन पर पीएम मोदी अमेरिका के यूएन मुख्यालय में योग करते नजर आए। सफेद रंग के टी शर्ट में पीएम मोदी दिखे जिसमें योग दिवस का लोगो भी अंकित नजर आया। न्यूयॉर्क मेयर एरिक एडम भी साथ दिखे। संयुक्त राष्ट्र में भारत की राजदूत रुचिरा कंबोज ने कहा कि आज का उत्सव वास्तव में बहुत खास है क्योंकि पीएम मोदी यहां योग करने में हमारा नेतृत्व करेंगे. उन्हीं के नेतृत्व में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का सफर

आधिकारिक तौर पर पूरी दुनिया में इसे मान्यता दिलाने की गंभीर और निर्णायक पहल पिछले साल 27 सितम्बर 2014 को हुई। उस दिन युएन में दिए अपने पहले भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक प्रस्ताव पेश किया जिसके तहत 21 जून को इंटरनेशनल योग दिवस मानाने की बात कही गई। उन्होंने शरीर और दिमाग पर पड़ने वाले योग के सकारात्मक प्रभाव की चर्चा की। इसके बाद 11 दिसंबर 2014 को युएन ने घोषणा कि की हर साल 21 जून को आधिकारिक तौर पर इंटरनेशनल योग डे मनाया जाएगा।

5 बड़े खालिस्तानी आतंकियों की मौत के बाद पन्नू अंडरग्राउंड हुआ

-सता रहा अपनी मौत का डर, एनआईए कर रही कार्रवाई

बीजिंग (एजेंसी)। लंदन (ईएमएस)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद करीब 60 घंटे से खालिस्तान आतंकवाद का मोहरा गुरपतवंत सिंह पन्नू अंडरग्राउंड हो चुका है। खुफिया एजेंसी सूत्रों के मुताबिक पिछले 4 माह में 5 बड़े खालिस्तानी आतंकियों की विदेश में हत्या या फिर संदेहास्पद मौत के बाद पन्नू को अपनी मौत का डर सता रहा है। इस बीच निज्जर की हत्या होने से पन्नू के होश उड़ गए हैं, जो पन्नू कभी सोशल मीडिया पर बढ़-चढ़कर भारत विरोधी एजेंडे को खालिस्तान समर्थन की आड़ में हवा देता था। वह पिछले 60 घंटे से खामोश है।

पन्नू बिल्कुल अलग-थलग पड़ चुका है। भारतीय जांच एजेंसियों ने पन्नू के ऊपर पिछले 6 महीनों में शिकंजा कसा है। एक ओर भारत में उसके गुर्गों पर कार्रवाई और उसके सहयोगियों की गिरफ्तारी हो रही है। वहीं दूसरी तरफ विदेश में भी खालिस्तानी समर्थकों पर नकेल कसी जा रही है। आतंकी पन्नू इसकारण भी डरा हुआ है। क्योंकि वर्तमान में लंदन में भारतीय उच्चायोग के सामने हिंसक प्रदर्शन मामले में एनआईए टीम ब्रिटेन में है और उसके मारे गए सहयोगी खांडा की सीधी भूमिका के बारे में जांच हो रही है।

दरसल पिछले 4 माह से एनआईए सहित पंजाब पुलिस और देश की अलग-अलग एजेंसियों ने गैंगस्टर के अलावा खालिस्तानी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई की है। इन कार्रवाई में प्रमुख है पिछले महीने खालिस्तान टाइगर फोर्स, जिसका प्रमुख आतंकी निज्जर मारा गया। भारत में उसके ठिकानों पर और उसके गुर्गों पर छापेमारी चल रही है। इसके अलावा अमृतपाल पर कार्रवाई के दौरान सिख फार जस्टिस के कई गुर्गों को पर नकेल कसी गई थी।

इसका नतीजा ये हैं कि 2020-2021 और 2022 के पहले हिस्से में जिस तेजी से पन्नू सिख फॉर जस्टिस की आड़ में भारत विरोधी खालिस्तानी प्रोपेगेंडा को विदेशों में हवा दे रहा था। वह एकाएक पिछले 1 साल में एकदम कमजोर हो गया है। पिछले हफ्ते लंदन में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई खालिस्तानी आतंकी अवतार सिंह खांडा की मौत, जो कि यूके सिख फॉर जस्टिस का प्रमुख था। उसमें भी पन्नू के भूमिका की आशंका जा रही है। वजह यह है कि खांडा के पास भारतीय पासपोर्ट था और पन्नू को डर था कि अगर इसका डिपोर्टेशन भारत हो जाता है उनके कई राज खोल सकता है लिहाजा निज्जर की मदद से खांडा को मरवा दिया।

संसद में अखंड भारत का नक्शा लगाने पर नेपाल अब भारत से मांगेगा जवाब

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल अब भारत से संसद में अखंड भारत का नक्शा लगाए जाने को लेकर जवाब तलब करेगा। गौरतलब है कि भारतीय संसद में अखंड भारत का नक्शा लगाए जाने का मुद्दा नेपाल में और गरमाता जा रहा है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने नई दिल्ली में स्थित नेपाली दूतावास से कहा है कि वह भारत के विदेश मंत्रालय से अखंड भारत का नक्शा लगाए जाने पर जवाब मांगे। दरअसल, भारत की नई संसद के अंदर अशोककालीन शासन का भित्तिचित्र लगाया गया है जो अब नेपाल में भारी विवाद का विषय बन गया है। इस नक्शे में नेपाल के लुंबिनी और कपिलवस्तु को भारत का हिस्सा दिखाया गया है। इस पूरे मामले को लेकर पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टाराई और केपी ओली ने भारत के खिलाफ बयान दिए थे और प्रचंड सरकार से जवाब मांगा था। नई दिल्ली में तैनात नेपाली दूतावास के एक अधिकारी के हवाले से सोमवार को प्रचंड सरकार ने निर्देश दिया है कि वह भारत के विदेश मंत्रालय से भारतीय संसद में लगाए गए? भित्तिचित्र के बारे में जवाब मांगे। इससे पहले पीएम मोदी ने 28 मई को नई संसद की इमारत का उद्घाटन किया था।

भारतीय संसद में लगे इस नक्शे के विरोध में नेपाल के राजनीतिक दलों के साथ काठमांडू के मेयर बालेन शाह ने भी विरोधी बयान दिया था। शाह ने अपने कार्यालय में ग्रेटर नेपाल का नक्शा लगवाया था जिसमें यूपी, बिहार और हिमाचल के कई इलाकों को नेपाल का दिखाया था। इस नक्शे को लेकर नेपाल के अलावा बांग्लादेश और पाकिस्तान ने भी आपत्ति जताई थी। इस नक्शे में तक्षशिला को भी दिखाया गया है जो अभी पाकिस्तान में है। इस पूरे मामले को लेकर चीन के इशारों पर चलने वाले केपी ओली और बाबूराम भट्टाराई ने कड़ा विरोध किया था और प्रचंड सरकार से कहा था कि वह इस पूरे मामले को भारत के साथ उठाए। उधर, नेपाल के दूतावास ने पहले ही अपनी रिपोर्ट भेज दी है कि यह भित्तिचित्र केवल अशोक साम्राज्य के सांस्कृतिक पहलू को ही दर्शाता है। इसका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। इसका वर्तमान समय की वास्तविकता से कोई लेना देना नहीं है।

भारत के खिलाफ जैक डोर्सी के आरोपों को एलन मस्क ने किया खारिज?

-पीएम मोदी ने अमे?रिका में विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों से की मुलाकात

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। एलन मस्क ने जैक डोर्सी के उन आरोपों को सिरे से नकार दिया है, जिनमें भारत सरकार द्वारा किसान आंदोलन के दौरान कंटेंट को लेकर ट्वीटर पर पाबंदी लगाने को कहा था। जानकारी के अनुसार टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क ने ट्विटर के सह-संस्थापक और पूर्व मालिक जैक डोर्सी के उन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत सरकार ने किसान आंदोलन के दौरान कंटेंट को लेकर कंपनी पर पाबंदी लगाने की धमकी दी थी। पीएम नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख अमेरिकी हस्तियों से मुलाकात की, जिसमें टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद मस्क ने कहा कि किसी भी अन्य बड़े देश की तुलना में भारत में अधिक संभावनाएं हैं। पीएम से मुलाकात के बाद पत्रकारों ने जब सोशल मीडिया कंपनी ट्विटर के मालिक मस्क से कंपनी के पूर्व मालिक तथा सीईओ जैक डोर्सी के भारत सरकार के खिलाफ हाल ही में लगाए आरोपों के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि ट्विटर के पास स्थानीय सरकार की बात मानने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है अन्यथा वह बंद हो जाएगा।

एलन मस्क ने कहा कि हम केवल किसी भी देश में कानूनों का पालन कर सकते हैं। हम इससे अधिक और कुछ नहीं कर सकते। अलग-अलग सरकारों के अलग-अलग नियम एवं कानून हैं और कानून के तहत जो संभव होगा हम उसके अनुसार अभिव्यक्ति की आजादी प्रदान करने की पूरी कोशिश करेंगे। मस्क के साथ मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया कि आज आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा एलन मस्क। हमने ऊर्जा से लेकर आध्यात्मिकता तक के कई मुद्दों पर व्यापक बातचीत की। इस पर मस्क ने जवाब दिया कि आपसे एक बार फिर मिलना मेरे लिए सम्मान की बात है। दरअसल, ट्विटर के को-फाउंडर जैक डोर्सी ने सनसनीखेज दावा किया था कि भारत सरकार ने वर्ष 2020 और 2021 में तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के प्रदर्शन के दौरान सरकार की आलोचना वाले खातों और पोस्ट को हटाने का अनुरोध नहीं मानने पर कंपनी का कामकाज बंद करने और उसके कर्मचारियों पर छापे मारने की धमकी दी थी।

भारत सरकार ने डोर्सी के इस आरोप को 'सफेद झूठ' बताकर उसी समय खारिज कर दिया। साल 2021 में ट्विटर के सीईओ पद से इस्तीफा दे चुके डोर्सी एक साक्षात्कार में सरकार पर दबाव बनाये जाने का आरोप लगाते हुए कहा था कि यह कई तरीकों से किया गया, जैसे, हम भारत में ट्विटर को बंद कर देंगे, जो हमारे लिए बहुत बड़ा बाजार है। हम आपके कर्मचारियों के घरों पर छापे मारेंगे जो उन्होंने किया। और यह भारत है, एक लोकतांत्रिक देश। इस तरह के तमाम आरोप लगाए गए थे।

डूरंड लाइन सिर्फ एक रेखा, टीटीपी पर झूठ बोल रहा पाकिस्तान, तालिबान की शहबाज सरकार को दो टूक

(एजेंसी)। तालिबान प्रशासन के रक्षा मंत्री मौलवी मुहम्मद याकूब मुजाहिद ने कहा है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच की सीमा, जिसे डूरंड रेखा कहा जाता है केवल एक 'रेखा' है। तालिबान के संस्थापक मुल्ला मुहम्मद उमर मुजाहिद के बेटे मुजाहिद ने काबुल में टोलो न्यूज को एक वीडियो साक्षात्कार में बताया कि जब लोग चाहेंगे तो अफगानिस्तान इस्लामाबाद के साथ इस मामले को उठाएगा। उन्होंने कहा कि तालिबान पाकिस्तान से लगी सीमा का मुद्दा नहीं उठा रहा है क्योंकि अफगानिस्तान के लोग अन्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। द इंडिपेंडेंट उर्दू अखबार द्वारा टोलो प्रसारण की सूचना दी गई थी। डुरंड लाइन से तालिबान प्रशासन द्वारा तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के सदस्यों के स्थानांतरण पर हो रही चर्चाओं के आलोक में मुजाहिद के विचार महत्वपूर्ण हैं। डूरंड लाइन, वास्तव में सीमा, तालिबान या अफगानिस्तान में पिछले लोकतांत्रिक-शासनों द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं है। तालिबान नेता ने पाकिस्तानी तालिबान का बचाव करते हुए कहा कि अगर टीटीपी अफगानिस्तान में स्थित है तो वह सीमा पर पाकिस्तानी सुरक्षा चौकियों पर हमला करेगा। इसके बजाय, टीटीपी इस्लामाबाद सहित पाकिस्तान के अंदर के शहरों पर हमला कर रहा है। खराब सुरक्षा के लिए पाकिस्तान को दोषी ठहराते हुए मुजाहिद ने कहा कि पाकिस्तान टीटीपी के खिलाफ अपना बचाव करने में असमर्थ है, इसलिए वह अफगानिस्तान को दोष देता है। पाकिस्तान के साथ अफगानिस्तान के संबंधों के बारे में मुजाहिद ने कहा कि उसके पूर्वी पड़ोसी को एक स्वतंत्र और व्यवस्थित अफगानिस्तान अबाद अफगानिस्तान के बारे में सोचना चाहिए, जैसा कि उन्होंने इसका वर्णन किया और कहा कि यह पाकिस्तान के हित में भी होगा। टोलो को दिए साक्षात्कार में मुजाहिद ने अमेरिका पर ड्रोन के जरिए उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। उन्होंने अमेरिका को अफगान हवाई क्षेत्र में ड्रोन उड़ाने की इजाजत देने के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया। तालिबान के रक्षा मंत्री एक अमेरिकी ड्रोन द्वारा अल-कायदा प्रमुख अयमान अल-जवाहिरी की हत्या पर इशारा कर

रहे थे - एक ऐसा कार्य जिसने तालिबान द्वारा पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हस्ताक्षरित दोहा समझौते का उल्लंघन किया जिसने अमेरिका की वापसी का मार्ग प्रशस्त किया। और अफगानिस्तान से नाटो सेना।

असम में अभी और बिगड़ सकते हैं हालात, अगले कुछ दिन भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान

-नौ जिलों में 34,000 से अधिक लोग बाढ़ की चपेट में

गुवाहाटी । असम में कई स्थानों पर रात भर बारिश के बाद बाढ़ की स्थिति बुधवार को सुबह गंभीर बनी रही और राज्य के नौ जिलों में 34,000 से अधिक लोग बाढ़ की चपेट में हैं। भूटान सरकार और भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले कुछ दिनों में राज्य के ऊपरी क्षेत्रों में भारी से अत्यंत भारी बारिश होने का अनुमान जाहिर किया है, जिससे ब्रह्मपुत्र और इसकी सहायक नदियों में जलस्तर बढ़ सकता है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) ने कहा कि भूटान सरकार ने मौसम संबंधी परामर्श जारी किया है जिसमें कहा गया है कि देश के छिटपुट इलाकों में अगले दो-तीन दिनों में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है जिससे ब्रह्मपुत्र एवं उसकी सहायक नदियों में जलस्तर बढ़ने की संभावना है। भूटान और असम के दोनों ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में लगातार बारिश के साथ-साथ पड़ोसी देश में कुरिछू बांध से पानी छोड़े जाने के कारण राज्य के पश्चिमी हिस्से में जलस्तर बढ़ने से बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भी 'रेड अलर्ट' जारी किया और अगले कुछ दिनों में असम के कई जिलों में 'बहुत भारी' से 'अत्यधिक भारी' बारिश का अनुमान जताया। गुवाहाटी में आईएमडी के क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी) ने बृहस्पतिवार के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया है। बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार, बक्सा, बारपेटा, दरांग, डिब्रूगढ़, कोकराझार, लखीमपुर, नलबाड़ी, सोनितपुर और उदलगुरी जिलों में बाढ़ के कारण लगभग 34,100 लोग प्रभावित हुए हैं। लखीमपुर सबसे अधिक प्रभावित हुआ है, जहां 22,000 से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। इसके बाद डिब्रूगढ़ में लगभग 3,900 लोग और कोकराझार में 2,700 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। प्रशासन कोकराझार में एक राहत शिविर संचालित कर रहा है जहां 56 लोगों ने शरण ली है और यह चार जिलों में 24 राहत वितरण केंद्र भी चला रहा है। एएसडीएमए ने कहा कि वर्तमान में 523 गांव जलमग्न हैं और असम में 5,842.78 हेक्टेयर कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। एएसडीएमए ने कहा कि बारपेटा, सोनितपुर, बोंगाईगांव, धुबरी, डिब्रूगढ़, गोलाघाट, कामरूप, मोरीगांव, नलबाड़ी, शिवसागर और उदलगुरी में बड़े पैमाने पर भूमि कटाव देखा गया है। कछार, दीमा हसाओ और करीमगंज में भारी वर्षा के कारण भूस्खलन की घटनाओं की सूचना मिली है।

आदिपुरुष फिल्म के डायरेक्टर, राइटर समेत पूरी स्टारकास्ट पर एफआईआर दर्ज

मुंबई। बॉलीवुड फिल्म आदिपुरुष के विवादित डॉयलॉग बदलने के बावजूद मुसीबत अभी टली नहीं है. रिलीज के बाद से डायरेक्टर ओम राउत, राइटर मनोज मुंतशिर शुक्ला और बाकी स्टार कास्ट की जमकर आलोचना हो रही है. वहीं, अब इस फिल्म के खिलाफ मुंबई पुलिस कमिश्नर के समक्ष एफआईआर दर्ज की गई है. यह एफआईआर संजय तिवारी की ओर से मुंबई हाईकोर्ट के एडवोकेट आशीष राय, पंकज मिश्रा और दिव्या गुप्ता के माध्यम से की गई है. एफआईआर में बॉलीवुड फिल्म आदिपुरुष के संवाद लेखक मनोज मुंतशिर, फिल्म निर्देशक ओम राउत, अन्य सभी अभिनेता और अभिनेत्रियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है. इस शिकायत में खास तौर पर सीबीएफसी बोर्ड द्वारा फिल्म प्रस्तुतीकरण के लिए जरूरी सर्टिफिकेट देने में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया गया है. साथ ही फिल्म में से विवादित सीन एवं डायलॉग के निरीक्षण किए बगैर फिल्म निर्माता को सैद्धांतिक सर्टिफिकेट दिए जाने की जिक्र किया गया है. शिकायत में बताया गया कि फिल्म आदिपुरुष में सिनेमैटोग्राफ अधिनियम, 1952 की धारा 5 (बी) के तहत जारी सीबीएफसी बोर्ड के दिशानिर्देशों के खिलाफ बहुत सारे तथ्य पाए गए है. इसके बावजूद भी फिल्म को वैश्विक स्तर पर प्रसारित करने एवं भारत में सिनेमाघरों में प्रसारित करने के लिए सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है. शिकायत में मांग की गई है कि फिल्म आदिपुरुष के सभी विवादित संवाद एवं प्रस्तुतीकरण को निकालने के पश्चात ही उसे दोबारा रिलीज करने की अनुमति प्रदान की जाए. आपको बता दें कि फिल्म आदिपुरुष के विवादास्पद संवाद एवं प्रस्तुतीकरण के कारण भारत के अन्य राज्यों में सनातन धर्मयों के द्वारा शिकायत दर्ज करवाई जा रही है. शिकायत में बताया गया है कि फिल्म निर्माता एवं निर्देशक और अन्य सभी लोगों की अनैतिक कृत्य के कारण हिंदू धर्म की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाया गया है. भारत देश के साथ-साथ इसका असर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देखा गया है. भारत एवं नेपाल जैसे देश के रिश्तो पर भी खासा असर पड़ा है.

सूरत ने बनाया विश्व कीर्तिमान, 12 किलोमीटर लंबी सड़क पर एक साथ डेढ़ लाख लोगों ने किया योग

सूरत । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर एक विश्व कीर्तिमान सूरत के नाम दर्ज हो गया है। सूरत में 12 किलोमीटर लंबे सड़क पर डेढ़ से भी ज्यादा लोगों ने एक साथ योग कर अपना नाम ग्रिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज करवा दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दक्षिण गुजरात के सूरत में राज्यस्तरीय योग दिन का आयोजन किया गया था। यह आयोजन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी की अध्यक्षता में किया गया। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील समेत राजनीतिक और सामाजिक नेता राज्यस्तरीय योग कार्यक्रम में शामिल हुए। सूरत के मगदल्ला भाई जंक्शन से एसवीएनआईटी सर्कल और ब्रेडलाइनर सर्कल तक 12 किलोमीटर के रूप पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। योगाभ्यास में शामिल होने 42 स्कूलों के 20 हजार से भी ज्यादा विद्यार्थी और शिक्षक सुबह ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए थे। इसके अलावा गृहणियां, समेत अलग अलग व्यवसाय से जुड़े लोग और छोटे-बड़े अग्रणी भी योगाभ्यास में शामिल हुए। इतना ही नहीं विदेशी मेहमानों के साथ ही दिव्यांग बच्चों ने भी योगाभ्यास किया। कार्यक्रम की तैयारी स्वरूप सूरत महानगर पालिका और जिला प्रशासन ने 125 ब्लॉग बनाए थे। अलग अलग ब्लॉग पर एलईडी स्क्रीन स्पीकर समेत आवश्यक सुविधाएं की गई थीं। इस प्रकार 12 किलोमीटर लंबी सड़क पर एक साथ योगाभ्यास कर सूरतवासियों ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में सूरत का नाम दर्ज करवा दिया।

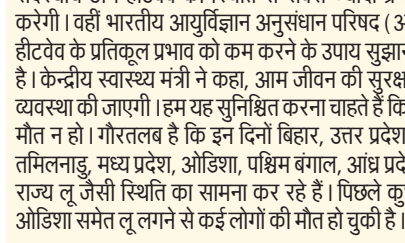

राहुल गांधी और अखिलेश यादव फिर एक साथ मंच साझा करेंगे

-लोकसभा 2024 चुनाव के लिए यूपी में बन रहे नए समीकरण

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव एक साथ मंच साझा करेंगे। पटना में आयोजित विपक्ष की बैठक में ये दोनों नेता 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए रणनीति भी बनाएंगे। गौरतलब है कि अगले साल प्रस्तावित लोकसभा चुनावों में विपक्षी एकता बनाने के मद्देनजर बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने विपक्षी दलों के नेताओं को शुक्रवार को पटना में आमंत्रित किया है। छह साल बाद यह पहला मौका होगा जबकि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव एक साथ होंगे। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि इस मुलाकात के नए सियासी समीकरण भी उत्तर प्रदेश में देखने को मिलेंगे दोनों नेताओं ने साल 2017 के यूपी विधानसभा चुनावों में मंच साझा किया था। हालांकि तब गठबंधन में अपेक्षित सफलता नहीं मिली थी और दोनों दलों में दूरियां बन गई थीं। ऐसे में माना जा रहा है कि लोकसभा चुनावों में वह प्रदेश में गठबंधन के साथ ही उतरेगी। हालांकि वह किस दल के साथ गठबंधन करेगी, इसपर फैसला होना बाकी है। वहीं, दोनों प्रमुख विपक्षी दल, सपा और बसपा का रुख फिलहाल कांग्रेस को लेकर काफी अच्छा भी नहीं है। अब सपा के रुख में कांग्रेस को लेकर कुछ नरमी आएगी।

हालांकि कांग्रेस के भीतर एक धड़ा सपा के साथ ही गठबंधन करके लोकसभा चुनावों में जाने का पक्षधर है। साल 2017 में सपा यूपी की सत्ता से बाहर तो हुई, लेकिन वह ही यहां की मुख्य विपक्षी पार्टी रही थी। इसके अलावा साल 2022 के यूपी विधानसभा चुनावों में सपा पिछली बार से बेहतर प्रदर्शन करके अपनी विपक्षी भूमिका को ज्यादा मजबूत बनाने में कामयाब रही थी। वहीं, सपा फिलहाल आरएलडी को ही साथ में लेकर लोकसभा चुनाव में जाने की तैयारी में जुटी है। हालांकि जानकारों का मानना है कि पटना में मुलाकात के बाद शायद यूपी में नए राजनीतिक समीकरण बनना शुरू होंगे।

भारी विरोध के बाद केंद्र ने वापस लिया पशुधन परिवहन बिल 2023 का मसौदा

नई दिल्ली । मोदी सरकार ने पशुधन उत्पाद एवं पशुधन परिवहन बिल 2023 को वापस ले लिया है। मोदी सरकार ने ड्राफ्ट को पब्लिक डोमेन में रखा था लेकिन इसके व्यापक विरोध के बाद ड्राफ्ट को वापस लिया। जरूरत के हिसाब से एक लाइवस्टॉक इम्पोर्टेशन एक्ट 1898 में बदलाव करते हुए लाइवस्टॉक प्रोडक्ट एंड लाइवस्टॉक इम्पोर्टेशन एंड एक्सपेटेशन बिल 2023 का ड्राफ्ट पब्लिक डोमेन डाला गया था। ड्राफ्ट के वापस लेने के आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि परामर्श के दौरान, यह देखा गया कि प्रस्तावित मसौदे को समझने और आगे की टिप्पणी या सुझाव देने के लिए पर्याप्त समय की आवश्यकता है। इसके अलावा, प्रस्तावित मसौदे पर पशु कल्याण और संबंधित पहलुओं के साथ संवेदनशीलता और भावनाओं को शामिल करते हुए चिंता व्यक्त करते हुए अभ्यावेदन किए गए हैं, और इसलिए, व्यापक परामर्श की आवश्यकता होगी। पशु अधिकार कार्यकर्ताओं, दक्षिणपंथी समूहों और जैन धर्मगुरुओं ने बिल पर कड़ी आपत्ति जाहिर की थी, जिन्होंने अलग-अलग कारणों से इस वापस लेने की मांग की थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े भारतीय किसान संघ के सूत्रों ने कहा कि बिल आवारा पशुओं के खतरे के लिए रामबाण हो सकता है, लेकिन संगठन धार्मिक भावनाओं और सांस्कृतिक मान्यताओं को आहत नहीं होने देगा। 2022-23 में, भारत ने 5.11 मिलियन डॉलर के मूल्य के जीवित पशुओं का निर्यात किया, जिसमें अधिकांश भेड़ और बकरियां थीं। व्यापार सूत्रों ने कहा कि इसमें ज्यादातर जानवर त्यौहारों के दौरान पश्चिम एशियाई देशों को निर्यात किए जाते हैं। पशुधन आयात और निर्यात बिल जानवरों पर क्रूरता को स्पष्ट रूप से बढ़ाएगा। कुत्तों और बिल्लियों और पक्षियों को पशुधन की परिभाषा में शामिल करना हास्यास्पद है। यह बिल निश्चित रूप से अभिशाप है और इसका विरोध किया जाना चाहिए।

योग दिवस पर आया अनुराग ठाकुर का बयान, कहा-

योग विश्व को भारत की बड़ी देन जिसपर देश गौरवान्वित

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर ने आज अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में आम-जनमानस व भाजपा कार्यकर्ताओं संग योग किया व भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ टिफिन बैठक एवं प्रजापति ब्रह्माकुमारी परिवार के सदस्यों से संपर्क से समर्थन कार्यक्रम के अन्तर्गत भेंट की।

योग कार्यक्रम के पश्चात सभा को सम्बोधित करते हुए श्री अनुराग ठाकुर ने कहा, '2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मनाए जाने का प्रस्ताव रखा था। दुनिया के लगभग सारे देशों ने उसका समर्थन किया और आज पूरे विश्व में धूमधाम से योग दिवस का आयोजन होता है। योग पूरे विश्व को भारत की बड़ी देन है. हमसभी को इसपर गर्व होना चाहिए। योग बिना किसी संसाधन या इक्विपमेंट के मात्र 20 से 30 मिनट प्रतिदिन में आपको आरोग्य बनाने का अद्भुत साधन है।'

प्रधानमंत्री मोदी के अमरीका दौरे पर बोलते हुए श्री ठाकुर ने कहा, 'आज मोदी जी अपनी पहली ऐतिहासिक स्टेट विजिट पर अमरीका पहुंचे हैं। आज भारतीय समयानुसार जब शाम को वहां सुबह होगी तब मोदी जी न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र के प्रांगण में 180 से ज्यादा देशों के प्रतिनिधियों के साथ योग दिवस कार्यक्रम की अगुवाई करेंगे। ये समस्त भारतवासियों के लिए गर्व का पल है।'

श्री ठाकुर ने आगे योग को वसुधैव कुटुम्बकम से जोड़ते हुए कहा, 'योग दिवस के 'लोगो' को देखने से पता चलता है की इसमें दोनों जुड़े हाथ सार्वभौमिक चेतना के साथ साथ हमारे व्यक्तिगत चेतना के मिलन को भी दर्शाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भी इस बार वसुधैव कुटुम्बकम को थीम के रूप में रखा गया है जिसका मतलब है 'वन अर्थ, वन फैमिली, वन फ्यूचर'। यही इस बार हमारे ज20 का भी थीम है।'

श्री ठाकुर ने आगे कहा कि भारत ने दुनिया को योग के साथ साथ आयुर्वेद और आध्यात्म की शक्ति भी प्रदान की है। कोरोना कल के समय जब दुनिया के बड़े देश वैक्सीन होर्डिंग में लगे थे तब भारत ने 'वैक्सीन मैत्री' चला कर 160 से अधिक देशों को वैक्सीन और जरूरी दवाएं उपलब्ध कराई। इसके साथ अपने देश में रिकॉर्ड समय में स्वदेशी वैक्सीन का निर्माण कर 220 करोड़ मुफ्त टीके दिए गए।

आगे योगासनों को खेल की मान्यता प्रदान किये जाने की जानकारी देते हुए केंद्रीय खेल मंत्री ने कहा की आज योगासन को स्पोर्ट्स की मान्यता है। इसमें राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में आप भाग ले सकते हैं। श्री ठाकुर ने आगे जानकारी देते हुए कहा, 'भारत में 23 नेशनल सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स हैं। 23वां सेंटर हमने और कहीं नहीं बल्कि अपने हमीरपुर के लिए मंजूर किया है। यहां पूरे क्षेत्र के प्रतिभावान युवाओं का चयन कर उन्हें ट्रेनिंग दी जायेगी। खिलाड़ियों के चयन और ट्रेनिंग की प्रक्रिया चल रही है। इसके साथ हीं एक अत्याधुनिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाओं से लैश भवन हेतु भी 150 करोड़ की मंजूरी दे दी गयी है। ये प्रदेश के सबसे बड़े खेल भवनों में होगा।'

योग कार्यक्रम के पश्चात श्री ठाकुर ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ टिफ़िन बैठक व 'संपर्क से समर्थन' कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रजापति ब्रह्माकुमारी परिवार के सदस्यों से भेंट की। वार्तालाप के बाद श्री ठाकुर ने कहा की चर्चा के दौरान मोदी सरकार की सकारात्मक छवि व ग़रीब कल्याण की योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन का फ़ीडबैक सेवा के हमारे संकल्प को और सुदृढ़ करेगा।

अपने ही राज्य में शरणार्थी बने नगा कुकी समुदाय के नागरिक

इंफाल (एजेंसी)। 3 मई से शुरू हुआ मणिपुर में हिंसा का दौर थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। स्कूल की छुट्टियां एक बार फिर से बढ़ा दी गई हैं। मणिपुर सरकार ने 3 जुलाई से स्कूल खोलने का निर्णय लिया गया है। लेकिन यही स्थिति बनी रही, तो स्कूलों को खोलना मुश्किल होगा।

रिलीफ कैंप में 10000 बच्चे

मणिपुर में रहने वाले कुकी नगा समुदाय के हजारों लोग शरणार्थी शिविरों में रह रहे हैं। रिलीफ कैंप में 10,000 से ज्यादा बच्चे रह रहे हैं। इनको स्कूल भेजने के लिए अलग से स्कूलों की व्यवस्था सरकार को करानी पड़ेगी। इसके लिए एक टीवी चैनल ने केंद्र सरकार को प्रपोजल भी दिया है। वह टीवी कार्यक्रम के जरिए बच्चों की पढ़ाई कराएगा।

स्कूलों में रुके सेंट्रल फोर्स के जवान

मणिपुर के 100 से ज्यादा स्कूलों में रिलीफ कैंप बनाए गए हैं। वहीं स्कूलों में सेंट्रल फोर्स को ठहराया गया है। ऐसी स्थिति में मणिपुर में जो स्कूल थे। उनको सरकार कैसे 3 जुलाई से शुरू कर पाएगी। इसको लेकर कोई भी अधिकारी बात करने के लिए तैयार नहीं है।

50 रूपये चावल 80 रूपये किलो आलू

मणिपुर में कर्फ्यू और इंटरनेट सेवा बंद होने का सबसे ज्यादा खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। चीजों के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। चावल 50 रुपये किलो पर पहुंच गया है। आलू की कीमत 80 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई है। एटीएम से पैसे नहीं निकल रहे हैं। जिसके कारण लोगों को सीमावर्ती राज्य के एटीएम से जाकर पैसे निकालने पड रहे हैं। कई बार एटीएम भी खाली होते हैं। जिसके कारण लोगों को भटकना पड़ रहा है। मणिपुर ऐसा राज्य है,जहां पर यहीं के निवासी शरणार्थी शिविरों में रहने के लिए विवश हो गए हैं।

विदेश में बैठकर हो रही थी तिहाड़ जेल में फिर से खूनी खेल खेलने की तैयारी

-सामने आया लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सच, नया खुलासा हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। लॉरेंस बिश्नोई गैंग लगातार पुलिस के लिए चैलेंज बन रही हैं। अब इस गैंग को लेकर एक नया खुलासा लंदन कनेक्शन के रुप में सामने आया है। यदि वह साजिश अगर वो पूरी हो गई होती तो फिर एक बार तिहाड़ जेल में खूनी खेल होता। खबर मिली है कि बीजेपी लीडर सुरेन्द्र मटियाल हत्या मामले में स्पेशल सेल ने पंजाब से दो शूटरों को रोहित शर्मा उर्फ अन्ना और संजू उर्फ सुशांत राणा को गिरफ्तार किया है। पुलिस पूछताछ में इन्होंने एक बहुत बड़ी साजिश का खुलासा किया है। जो कि लंदन में रची गई थी। बताया जा रहा है कि लॉरेंस बिश्नोई के एक खास दोस्त गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू के कहने पर दिल्ली की तिहाड़ जेल में एक और मर्डर होने वाला था। अन्ना और संजू दोनों ही कपिल सांगवान के शूटर हैं। ये दोनों दिल्ली में बीजेपी के नेता सुरेन्द्र मटियाल की हत्या में शामिल थे और पुलिस ने इन्हें इसी सिलसिले में गिरफ्तार किया है। जबकि गैंगस्टर कपिल सांगवान लंदन में रहता है। कपिल भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बेहद खास है और इसी गैंग के लिए काम करता है। पुलिस सूत्रों की मानें तो इस बार लंदन में जो साजिश रची गई थी उसके मुताबिक तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर मंजीत महाल की हत्या होनी थी। मंजीत महाला गैंगस्टर कपिल सांगवान उर्फ नंदू का कट्टर दुश्मन है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग द्वारा उसे इसलिए रास्ते से हटाने का प्लान था।

आम चुनाव को लेकर बहनजी ने बुलाई बैठक

कई छोटे दलों से बसपा संपर्क में

लखनऊ (एजेंसी)। बसपा प्रमुख मायावती ने अपनी पार्टी की बुधवार को अहम बैठक बुलाई है। इस बैठक से पहले बहनजी ने जो ट्वीट किया है, वह भी अहम है। उन्होंने साफ किया है कि प्रदेश और देश में तेजी से बदल रहे राजनीतिक हालात, खास घटनाक्रमों के साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर बैठक बुलाई गई है। सबकी निगाह अब इस बात पर है कि आखिर, लोकसभा चुनाव से पहले बसपा कौन से नए रानजीतिक समीकरण बनाने की तैयारी कर रही है?

लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस और नीतीश की ओर से देश भर में विपक्षी एकता की कोशिशें लगातार चल रही हैं। इसमें बात यूपी की आती है तब यहां दो विपक्षी दलों सपा और बसपा की बात जरूर होगी। निगाह इस बात पर भी है कि विपक्षी एकता में ये दोनों दल किधर जाएंगे? हालांकि, मायावती पहले ही कह चुकी हैं कि वह किसी के साथ गठबंधन नहीं करेंगी लेकिन राजनीति में समय और हालात के अनुसार निर्णय भी बदलते हैं। खुद मायावती अब बदले हालात की बात भी कर रही हैं।

इस बीच कुछ छोटे दलों की बसपा से नजदीकी भी चर्चा में है। पिछड़े दलों में पकड़ रखने वाले महान दल ने बसपा को समर्थन देने का ऐलान भी कर दिया है। दल के प्रमुख केशव देव मौर्य ने सपा प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश को छोटे दिल का नेता बताकर बसपा के समर्थन की बात कही है। उन्होंने कहा कि जहां लिखा है कि सपा को जिताना है, वहां आगे ब जोड़ना है। उधर, असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के भी बसपा के संपर्क में होने की बात कही जा रही है।

इससे साफ हैं, आम चुनाव से पहले बसपा खास इलाकों में पिछड़ों और मुसलमानों के बीच पकड़ रखने वाले छोटे दलों के साथ गोलबंदी करने की तैयारी कर रही है। इससे वह अपनी ताकत बढ़ाकर बताना चाहती है कि 2024 में अगर विपक्षी एकता की बात होगी तब उसके बिना मुश्किल है। इसके बाद 23 जून से पहले बैठक बुलाना और राजनीतिक हालात को ध्यान में रखकर रणनीति बनाने की बात करना भी इसी ओर इशारा है।

हालांकि विपक्षी एकता के लिए अब तक बुलाई गई बैठकों से बसपा दूर ही रही है। फिर भी भविष्य में हालात बदलते हैं, तब उसमें खुद को मजबूत दिखाना चाहेगी। इशारा इस ओर भी होगा कि अगर उसके बिना कोई विपक्षी मोर्चा बनता है तब वह खेल बिगाड़ने में भी सक्षम है।

लू से निपटने केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने बनाया प्लान, प्रभावित राज्यों का लेंगे जायजा

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने लू से प्रभावित राज्यों में प्लान बनाकर अपनी टीम भेजने का निर्णय लिया है। गौरतलब है ?कि फिलहाल कई राज्यों में भीषण गर्मी जारी है और लू से मौत होने का सिलसिला चल रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को कहा कि पांच सदस्यीय टीम, जिसमें स्वास्थ्य मंत्रालय, एनडीएमए, आईएमडी के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्यों का दौरा करेगी। मंडाविया ने कई राज्यों में मौजूदा लू की स्थिति के बीच देश की तैयारियों की समीक्षा के लिए पहली बार यहां एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा, स्वास्थ्य मंत्रालय, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों वाली पांच सदस्यीय टीम हीटवेव की स्थिति से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों का दौरा करेगी। वहीं भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) को भी हीटवेव के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने के उपाय सुझाने का निर्देश दिया गया है। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, आम जीवन की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर व्यवस्था की जाएगी। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि लू लगने से किसी की मौत न हो। गौरतलब है कि इन दिनों बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना जैसे कई राज्य लू जैसी स्थिति का सामना कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में बिहार और ओडिशा समेत लू लगने से कई लोगों की मौत हो चुकी है।

बाबा बर्फानी के दर्शनों को 5 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की संभावना... ड्रोन से नजर रखेगी सेना

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में साल 2023 में अमरनाथ यात्रा में करीब पांच लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। प्रशासन वर्तमान पंजीकरण के सहारे इस बार 8 से 10 लाख श्रद्धालुओं को यात्रा में शामिल होने का न्यौता देकर इस बार की अमरनाथ यात्रा को जम्मू-कश्मीर के इतिहास की सबसे बड़ी यात्रा बनाने में जुटा हुआ है। पिछले साल करीब तीन लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए थे। जम्मू में इस साल की अमरनाथ यात्रा के लिए हेलिकाप्टर की आनलाइन बुकिंग सेवा शुरू हो गई है। यह सेवा श्रीनगर, बालटाल और पहलगाम से मिलेगी। इस सेवा के शुरू होने से बुजुर्ग लोगों को विशेष तौर पर राहत मिलेगी। इसके अलावा जिनके पास समय कम है वह भी इसका लाभ उठा सकते हैं। हालांकि इस बार देरी से आनलाइन हेलिकाप्टर बुकिंग सेवा शुरू हो रही है। इस बीच अढ़ाई लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करवा चुके हैं और श्राइन बोर्ड ने करंट पंजीकरण के लिए कई काउंटर खोलने की भी घोषणा की है।

राहत यह है कि अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने हेलिकाप्टर टिकट की दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है, पिछले साल की दरों पर ही टिकट मिलेगी। बोर्ड से जुड़े सूत्रों के अनुसार, अब तक ढाई लाख से अधिक श्रद्धालु अग्रिम पंजीकरण करवा चुके हैं। हेलिकाप्टर की बुकिंग मान्यता प्राप्त एजेंटों और अमरनाथ श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट से होगी। अमरनाथ की वार्षिक यात्रा 30 जून से शुरू हो रही है। पंजीकरण की प्रक्रिया यात्रा के अंत तक जारी रहेगी। अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का पहला जत्था जिसमें साधु भी शामिल हो रहे हैं, यात्री निवास भगवती नगर जम्मू और राम मंदिर जम्मू से 30 जून को रवाना होगा। यात्रा के दौरान हेलिकाप्टर सेवा को छोड़कर दोनों यात्रा मार्ग से रोजाना 15-15 हजार श्रद्धालुओं को रवाना करने की बात कही गई हैं। इसमें 13 वर्ष से कम की आयु 75 वर्ष से अधिक आयु वाले श्रद्धालुओं को यात्रा की अनुमति नहीं है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार ने प्रदेश के प्रवेश द्वार लखनपुर से लेकर बालटाल और पहलगाम और फिर पवित्र गुफा तक सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं। इस बार भी ड्रोन और आरएफआइडी यानि रेडियो फ्रिक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन डिवाइस से श्रद्धालु सुरक्षा एजेंसियों की आंख से पल भर के लिए भी ओझल नहीं हो सकते हैं। अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के अधिकारियों ने माना था कि इतनी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए व्याप्क स्तर पर प्रबंध भी आवश्यक हैं। यही कारण था शिवभक्तों के प्रदेश में आने से पहले ही प्रशासन शिवमय हो चुका था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत ने बनाया विश्व कीर्तिमान

12 किलोमीटर लंबी सड़क पर एक साथ डेढ़ लाख लोगों ने किया योग

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर एक विश्व कीर्तिमान सूरत के नाम दर्ज हो गया है। सूरत में 12 किलोमीटर लंबे सड़क पर डेढ़ से भी ज्यादा लोगों ने एक साथ योग कर अपना नाम ग्रिनिज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में दर्ज करवा दिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर दक्षिण गुजरात के सूरत में राज्यस्तरीय योग दिन का आयोजन किया गया था। यह आयोजन गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी की अध्यक्षता में किया गया। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील समेत राजनीतिक और सामाजिक नेता राज्यस्तरीय योग कार्यक्रम में शामिल हुए। सूरत के मगदल्ला भाई जंक्शन से एसवीएनआईटी सर्कल और ब्रेडलाइनर सर्कल तक 12 किलोमीटर के रूप पर योग कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। योगाभ्यास में शामिल होने 42 स्कूलों के 20 हजार से भी ज्यादा विद्यार्थी और शिक्षक सुबह ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गए थे। इसके अलावा गृहणियां, समेत अलग अलग व्यवसाय से जुड़े लोग और छोटे-बड़े अग्रणी भी योगाभ्यास में शामिल हुए। इतना ही नहीं विदेशी मेहमानों के साथ ही दिव्यांग बच्चों ने भी योगाभ्यास किया। कार्यक्रम की तैयारी स्वरूप सूरत महानगर पालिका और जिला प्रशासन ने 125 ब्लॉग बनाए थे। अलग अलग ब्लॉग पर एलईडी स्क्रीन स्पीकर समेत आवश्यक सुविधाएं की गई थीं। इस प्रकार 12 किलोमीटर लंबी सड़क पर एक साथ योगाभ्यास कर सूरतवासियों ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में सूरत का नाम दर्ज करवा दिया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गुरुवार, 22 जून को राज्य 'स्वागत' कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे

राज्य 'स्वागत' में प्रस्तुति के लिए सुबह 9 से 11 बजे के दौरान आवेदन स्वीकारे जाएंगे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर,मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल जनता की प्रस्तुतियों-शिकायतों का ऑनलाइन निवारण करने वाले 'स्वागत' ऑनलाइन कार्यक्रम के राज्य स्तरीय 'स्वागत' कार्यक्रम में गुरुवार, 22 जून को दोपहर 3 बजे स्वयं उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में साधारण नागरिकों की समस्याओं-प्रस्तुतियों का टेक्नोलॉजी के माध्यम से ऑनलाइन निवारण करने के लिए 'स्वागत' कार्यक्रम की शुरूआत कराई है। तद्अनुसार, हर महीने के चौथे गुरुवार को राज्य स्तरीय 'स्वागत' में मुख्यमंत्री स्वयं उपस्थित रह कर नागरिकों की शिकायतों-प्रस्तुतियों को सुनते हैं और उनके निवारण के लिए उपाय सुझाते हैं। इसी क्रम में, इस जून माह के चौथे गुरुवार यानी 22 जून को मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल गांधीनगर में स्वर्णिम संकुल-2 स्थित मुख्यमंत्री की जनसम्पर्क इकाई में दोपहर 3 बजे उपस्थित रहेंगे और लोगों की शिकायतें सुनेंगे। इस 'स्वागत' कार्यक्रम में अपनी समस्याएँ व शिकायतें प्रस्तुत करने के इच्छुक आवेदक अपने शिकायत-आवेदन मुख्यमंत्री की जनसम्पर्क इकाई में सुबह 9 से 11 बजे के दौरान दर्ज करा सकेंगे।

25 से 30 जून गुजरात के कई हिस्सों में होगी बारिश, मौसम के जानकार का पूर्वानुमान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

मौसम के जानकार अंबालाल पटेल ने मानसून को लेकर भविष्यवाणी की है| जिसके मुताबिक आगामी 25 से 30 जून के दौरान गुजरात के कई हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। अंबालाल पटेल की मानें तो दक्षिण गुजरात, मध्य गुजरात और उत्तर गुजरात में भारी बारिश होगी। भारी बारिश के कारण साबरमती का जलस्तर बढ़ेगा। 5 से8 जुलाई के दौरान गुजरात समेत देश में तेज हवा के साथ भारी बारिश होगी। इतना ही नहीं जुलाई महीने में भी दक्षिण गुजरात और सौराष्ट्र के कई हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है। भारी बारिश के चलते दक्षिण गुजरात की तापी और नर्मदा नदी के जलस्तर में वृद्धि होगी। अंबालाल पटेल के मुताबिक जून के अंत में या जुलाई में मुंबई में बारिश शुरू होगी। पटेल का कहना है कि फिलहाल मानसून कर्नाटक में है लेकिन जुलाई में नमी बढ़ने की वजह से बारिश होगी। उन्होंने उत्तर गुजरात और मध्य गुजरात के कई इलाकों में बाढ़ की संभावना व्यक्तकी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने योग को दुनिया भर में प्रचलित कर भारत माता को गौरव दिलाया : मुख्यमंत्री

पीएम मोदी ने अमेरिका से देशवासियों को वीडियो संदेश के माध्यम से दी शुभकामनाएं

गुजरात भर के 1.25 करोड़ नागरिक 'योगमय गुजरात' अभियान में शामिल हुए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर बुधवार को सूरत में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने साफ कहा कि हमारी स्वास्थ्य धरोहर योग को वैश्विक स्वीकृति मिल चुकी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्थक प्रयासों से दुनिया भर में योगविद्या के प्रचलित होने से भारत माता को विशिष्ट गौरव मिला है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य में योग को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार ने योग बोर्ड की स्थापना की है, इसके चलते 5000 लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है। उन्होंने इन प्रयासों को और अधिक आगे बढ़ाते हुए राज्य में 51 नए योग स्टूडियो के निर्माण की घोषणा भी की। गृह, युवक सेवा और सांस्कृतिक गतिविधि राज्य मंत्री हर्ष संघवी, गुजरात भाजपा प्रमुख और सांसद सीआर पाटिल सहित महानुभावों की उपस्थिति में आयोजित राज्य स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम में समूचा सूरत शहर योगमय बन गया। एक साथ, एक ही स्थान पर 1.50 लाख नागरिकों ने योगाभ्यास कर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया है।सूरत के नाम विश्व रिकॉर्ड बनने के इस ऐतिहासिक क्षण में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रतिनिधियों ने आधिकारिक रूप से एलान किया तथा मुख्यमंत्री को रिकॉर्ड का प्रमाण पत्र सौंपा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की भव्य विरासत समान योग से दुनिया में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना और अधिक मजबूत बनी है, जिसका श्रेय हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री को जाता है। उन्होंने कहा कि हमारे ऋषि-मुनियों और योगाचार्यों ने योग अभ्यास से स्वस्थ, तंदुरस्त और तनाव मुक्त जीवन जीने का बेहतरीन उदाहरण दुनिया के सामने पेश किया है। हम सभी को सुस्वास्थ्य और कल्याण के लिए योग विद्या ग्रहण कर उसका नियमित रूप से अभ्यास करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना काल में लोगों को स्वास्थ्य की महत्ता भली-भांति समझ आ गई है, ऐसे विकट समय में योग-प्राणायाम किसी संजीवनी की तरह बन गए थे, तब हमारे ऋषि-मुनियों की अमूल्य भेंट योगविद्या आधुनिक युग में स्वस्थ जीवन जीने की कुंजी बनी है। मुख्यमंत्री ने स्वदेशी वैक्सीन के निर्माण और मित्र देशों को नि:स्वार्थ भाव से वैक्सीन प्रदान करने की सकारात्मक नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि कोरोना महामारी का धैर्य, दृढ़ता और अनोखी समझबूझ के साथ सामना कर देशवासियों को सुरक्षित रखने में प्रधानमंत्री का उल्लेखनीय योगदान रहा है। पटेल ने गर्व से कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वदेशी वैक्सीन विकसित कर देश को स्वास्थ्य कवच प्रदान किया, साथ ही जरूरतमंद छोटे देशों को वैक्सीन भेजकर 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना को सच्चे अर्थों में चरितार्थ किया। उन्होंने केंद्र सरकार के सुशासन के 9 वर्ष तथा 9वें 'विश्व योग दिवस' के संयोग का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में 7000 से अधिक स्थानों पर 1.25 करोड़ लोग योग दिवस के उत्सव में शामिल हुए हैं। उन्होंने राज्य के नागरिकों को योग दिवस की शुभकामनाएं देते हुए योग से निरोग रहने का अनुरोध किया। गृह, युवक सेवा और सांस्कृतिक गतिविधि राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने कहा कि योग प्राचीन शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक प्रणाली है। आज जब पूरी दुनिया विशाल जनभागीदारी के साथ योग दिवस मना रही है, तब सूरत में रचा गया इतिहास हम सभी के लिए गौरवशाली क्षण है। उन्होंने सूरतियों की स्पिरिट की प्रशंसा करते हुए कहा कि देर से सोने और देर से उठने की प्रकृति वाले सूरती लोग योग दिवस के दिन तड़के ही तैयार होकर रिकॉर्ड ब्रेक संख्या में वेसू इलाके में इकट्ठे हुए हैं, जो सराहनीय है। गृह राज्य मंत्री ने कहा कि सरकार ने मजबूत मनोबल के साथ चक्रवाती तूफान 'बिपरजॉय' का सामना 'टीम गुजरात' बनकर किया, परिणामस्वरूप प्रभावित क्षेत्रों में एक-एक व्यक्तिको सुरक्षित रखने में सफलता प्राप्त हुई। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष और सांसद सीआर पाटिल ने कहा कि एक साथ 1.50 लाख लोगों की सामूहिक योग साधना से 'न भूतो, न भविष्यति' के समान रिकॉर्ड स्थापित हुआ है। उन्होंने उपस्थित लोगों से स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए जनसाधारण की पसंद बने योग को जीवन का हिस्सा बनाने का अनुरोध किया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका से वर्चुअली संबोधित करते हुए देशवासियों को योग दिवस की शुभकामनाएं दीं। स्थल पर उपस्थित लोगों ने मध्य प्रदेश के जबलपुर में उपराष्ट्रपति की उपस्थिति में आयोजित राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम देखा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री एवं महानुभावों ने योग के महत्व और इतिहास पर आधारित कॉफी टेबल बुक 'योग' का विमोचन किया तथा योग अवॉर्ड प्रदान किए। योग बोर्ड के चेयरमैन शीशपाल राजपूत ने कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया। उन्होंने विभिन्न योगासन करवाए और योग निदर्शन किया।

कार्यक्रम में वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेश पटेल, सांसद प्रभु वसावा, महापौर श्रीमती हेमाली बोघावाला, विधायक पूर्णेश मोदी, विनोद मोरड़िया, संदीप देसाई, संगीता पाटिल, प्रणीण घोघारी, अरविंद राणा, मनुभाई पटेल, खेल, युवा और सांस्कृतिक गतिविधि विभाग के प्रधान सचिव अश्विनी कुमार सूरत मनपा आयुक्त शालिनी अग्रवाल, जिला कलक्टर आयुष ओक, पुलिस आयुक्त अजय तोमर सहित महानगर पालिका के पदाधिकारी, अधिकारी, जिला प्रशासन के उच्च अधिकारी, अग्रणी और योग प्रेमी युवा, बच्चे एवं महिलाओं सहित शहरीजन उपस्थित रहे।

शक्तिसिंह गोहिल के गुजरात कांग्रेस प्रमुख बनते ही राजकोट के नेता वशराम सागठिया की घरवापसी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

शक्तिसिंह गोहिल के गुजरात प्रदेश कांग्रेस का प्रमुख बनने के बाद घरवापसी की पहली घटना सामने आई है। कांग्रेस को छोड़ आम आदमी पार्टी (आप) जॉइन करने वाले राजकोट के नगर पार्षद वशराम सागठिया ने घरवापसी की है। कल ही आप ने वशराम सागठिया को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में पार्टी से निष्कासित कर दिया था। दरअसल गुजरात प्रदेश कांग्रेस का प्रमुख नियुक्त किए जाने के बाद शक्तिसिंह गोहिल ने 18 जून को अहमदाबाद में गांधी आश्रम से पार्टी के प्रदेश मुख्यालय तक पदयात्रा की थी। इस पदयात्रा में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता औ कार्यकर्ताओं के साथ आप नेता वशराम सागठिया भी शामिल हुए थे। इसका वीडियो सामने आने के बाद आप ने वशराम सागठिया को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। आप से निकाले जाने के बाद वशराम सागठिया ने अपने 30 जितने समर्थकों के साथ शक्तिसिंह गोहिल की उपस्थिति में कांग्रेस जॉइन कर ली। बता दें कि वर्ष 2022 के गुजरात विधानसभा चुनाव में कांग्रेस छोड़ वशराम सागठिया आप में शामिल हो गए थे। आप ने वशराम सागठिया को राजकोट ग्रामीण सीट से उम्मीदवार बनाया था। लेकिन वशराम सागठिया की चुनाव में हार हो गई थी। अब आप से निकाले जाने के बाद वशराम सागठिया ने कांग्रेस जॉइन कर ली है। दूसरी और गुजरात कांग्रेस के प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि आज पार्टी में राजकोट समेत सौराष्ट्र के कई नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए हैं। मुझे गुजरात कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए जाने की घोषणा के बाद वशराम सागठिया ने कहा था कि उन्होंने आप से इस्तीफा दे दिया है। गोहिल ने कहा कि आगामी दिनों में हम गंदी राजनीति नहीं बल्कि गुजरात के गौरव के साथ संघर्ष करेंगे। गुजरात के लिए सेवा साधना के यज्ञ में सभी का स्वागत है।

हाईकोर्ट की फटकार के बाद भी प्रशासन आवारा पशुओं को लेकर गंभीर नहीं, वडोदरा में एक वृद्ध की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

वडोदरा,गुजरात में आवारा पशुओं का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है, बावजूद इसके स्थानीय प्रशासन इस समस्या को लेकर गंभीर नहीं है। जबकि गुजरात हाईकोर्ट इस मुद्दे पर फटकार लगा चुका है। राज्य में आवारा पशुओं की वजह से कई लोगों की जान चुकी है। वडोदरा में आवारा पशु की चपेट में आए एक वृद्ध की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक वडोदरा के लक्ष्मीपुरा नारायण गार्डन के निकट बाइक पर जा रहे एक वृद्ध पर आवारा गाय ने हमला कर दिया। घटना में घायल वृद्ध को तुरंत वडोदरा के सयाजी अस्पताल पहुंचाय गया। जहां उपचार के दौरान वृद्ध की मौत हो गई।

जामखंभालिया के मूल निवासी वृद्ध न्यू अलकापुरी पुलिस चौकी के निकट से पान की दुकान पर जा रहे थे। उस वक्तगाय ने वृद्ध पर हमला कर दिया। गौरतलब है बीते तीन महीने के भीतर आवारा पशुओं के हमले में 3 लोगों की मौत हो चुकी है।

मुख्यमंत्री का सार्वजनिक-सरकारी संपत्तियों को अपनी संपत्ति समझ उनका संरक्षण करने का आह्वान

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

भूपेंद्र पटेल ने भरूच में 113 करोड़ की लागत से नवनिर्मित आइकॉनिक बस पोर्ट का किया लोकार्पण

भरूच, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को भरूच में नए बस पोर्ट का लोकार्पण करते हुए नागरिकों से प्रेरक आह्वान किया कि हमें सार्वजनिक-सरकारी संपत्तियों को अपनी संपत्ति समझकर उनके संरक्षण का दायित्व निभाना चाहिए। यह बात उन्होंने परिवहन एवं गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी की उपस्थिति में गुजरात राज्य सड़क परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) और डीआरए नर्मदा बस पोर्ट प्रा. लि. की ओर से सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के आधार पर भरूच में 113 करोड़ रूपए के खर्च से निर्मित आइकॉनिक बस पोर्ट का लोकार्पण करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसाधारण को भी मुख्य धारा में शामिल करने वाली विकास की राजनीति के जरिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब, वंचित और साधारण व्यक्तितक विकास पहुंचाया है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री की हर कल्याण योजना या जनहितकारी निर्णयों के केंद्र में गरीब, अंतिम पायदान पर खड़ा और अदना व्यक्ति होता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा रखी गई मजबूत बुनियाद पर ही गुजरात देश के विकास का रोल मॉडल बना है।

गुजरात के गांवों में भी सुपर स्पेश्यलिटी हॉस्पिटल की सेवाएं उपलब्ध हैं। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश में पिछले 9 वर्षों के दौरान प्रगति की गति के भी रफ्तार पकड़ने का उदाहरण देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गत अप्रैल महीने में जीएसटी की जो रिकॉर्ड आय हुई है, वही साबित करती है कि देश में व्यापार-रोजगार का पूरा चक्र तीव्र गति से चल रहा है।